

मोपाल

17 अक्टूबर 2026

शनिवार

आज का मौसम

 32.6 अधिकतम

 18.0 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो



Page-7

राजसत्ता से गायब वामपंथ, अब सड़कों से तख्ता पलट की हसरत...!

यूरोप में जन्मी और कार्ल मार्क्स तथा फ्रेडरिक एंगेल्स के विचारों से प्रेरित वामपंथी विचारधारा ने पिछली सदी में दुनिया की राजनीति को गहरे तक प्रभावित किया। रूस की बोल्शेविक क्रांति से लेकर चीन की साम्यवादी क्रांति तक, उसने सत्ता परिवर्तन के ऐसे अध्याय लिखे जिनकी गूँज दशकों तक सुनाई देती रही। भारत में भी वामपंथ ने मजदूरों, किसानों, विद्यार्थियों और वंचित तबकों के बीच अपनी मजबूत जमीन तैयार की। एक समय ऐसा था जब कम्युनिस्ट केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली वैचारिक शक्ति के रूप में देखे जाते थे।

लेकिन आज तस्वीर बदल चुकी है। जिस विचारधारा ने पश्चिम बंगाल में 34 साल तक निर्बाध शासन किया, त्रिपुरा में लंबे समय तक सत्ता संभाली और केरल में बार-बार सरकार बनाई, वह अब किसी भी भारतीय राज्य में सत्ता में नहीं है। पश्चिम बंगाल में 2011, त्रिपुरा में 2018 और केरल में 2026 की चुनावी हार ने भारतीय वामपंथ के राजनीतिक पराभव



प्रसंगवश

राजेश सिस्रोठिया

लेफ्ट के सामने चुनौती वजूद बचाने की

वामपंथ के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि बदलते भारत को समझने की है। रोजगार का स्वरूप बदल रहा है। असंगठित क्षेत्र और गिग इकॉनमी में काम करने वाले श्रमिकों की समस्याएं पारंपरिक मजदूर आंदोलनों से अलग हैं। युवाओं की आकांक्षाएं बदल चुकी हैं। किसान, छोटे कारोबारी और शहरी गरीब नई आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। इन सवालों पर विश्वसनीय समाधान देने के बजाय यदि वामपंथ पुराने नारों और परिचित विरोध प्रदर्शनों तक सीमित रहता है, तो उसका राजनीतिक संकुचन जारी रह सकता है। भारत में वामपंथ का भविष्य इस बात पर निर्भर करेगा कि वह अपने इतिहास से क्या सीखता है, अपनी संगठनात्मक कमजोरियों को कैसे दूर करता है और नई पीढ़ी के सवालों से कितना जुड़ पाता है। फिलहाल, भारतीय राजनीति की तस्वीर यही है कि वामपंथ सत्ता के गलियारों से बाहर हो चुका है, लेकिन सड़कों से विदा नहीं हुआ। उसकी आवाज सुनाई देती है, उसके कार्यकर्ता आंदोलन करते हैं और उसकी विचारधारा बहस का हिस्सा बनी हुई है। लोकतंत्र में अंतिम कसौटी केवल यह नहीं कि किसी विचारधारा के समर्थक कितनी बार सड़क पर उतरते हैं। असली कसौटी यह है कि जनता कितनी बार उन्हें अपना जनादेश देती है। वामपंथ के सामने आज सबसे बड़ा सवाल यही है- सड़कों पर अपनी मौजूदगी को वह जनसमर्थन में और जनसमर्थन को सत्ता के विकल्प में कैसे बदलेगा?

पर मुहर लगा दी है। सवाल यह है कि आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या वामपंथ की विचारधारा अप्रासंगिक हो गई है, या उसके प्रतिनिधि समय के साथ बदलते समाज की आकांक्षाओं को समझने में नाकाम रहे? **विचारधारा का संकट या नेतृत्व की विफलता:** वामपंथ की सबसे बड़ी ताकत कभी उसका संगठित कैडर, अनुशासित कार्यकर्ता और जनसमस्याओं पर लगातार संघर्ष करने की क्षमता थी। लेकिन समय के साथ यही संगठनात्मक शक्ति कई जगह जड़ता में बदलती चली गई। पश्चिम बंगाल में औद्योगीकरण के नाम पर सिंगूर और नंदीग्राम में भूमि अधिग्रहण को

लेकर पैदा हुआ असंतोष वाममोर्चे के लिए निर्णायक साबित हुआ। जिस किसान और ग्रामीण समाज के भरोसे उसने दशकों तक सत्ता चलाई, उसी के एक हिस्से ने उससे दूरी बना ली। त्रिपुरा में 2018 का चुनावी परिणाम बताता है कि मजबूत संगठन और लंबे शासन के बावजूद राजनीतिक जमीन हमेशा सुरक्षित नहीं रहती। भारतीय जनता पार्टी ने स्थानीय असंतोष, संगठन विस्तार और नए सामाजिक समीकरणों के सहार वामपंथी सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया। केरल में वामपंथ की स्थिति दूसरे राज्यों से अलग रही। वहां उसकी संगठनात्मक जड़ें

मजबूत थीं। लेकिन दस साल के राज के बाद केरलम के मुस्लिम मतदाताओं ने बीजेपी से लड़ने के लिए एलडीएफ के बजाय कांग्रेसी और उसके सबसे मजबूत सहयोगी इंडियन मुस्लिम लीग पर ज्यादा भरोसा दिखाया और कांग्रेस नीत यूडीएफ को चुना। **सत्ता गई, सड़कें नहीं छूटीं:** यहां एक बुनियादी अंतर समझना होगा। चुनाव हारना और सामाजिक प्रभाव पूरी तरह खो देना एक ही बात नहीं है। किसी विचारधारा के समर्थक चुनाव में कमजोर हो सकते हैं, लेकिन आंदोलनों, संगठनों और दूसरे राजनीतिक दलों के माध्यम से अपनी आवाज बनाए रख सकते

हैं। भारत में वामपंथ की वर्तमान स्थिति को भी इसी नजरिये से देखने की जरूरत है। खासतौर जब इसे जेन जी आंदोलन के नाम पर विदेशों से रसद के प्रमाण भातीय जांच एजेंसियों को मिल रहे है । फिर कांग्रेस के कंधों का सहारा भी उसे इसके लिए मिला हुआ है। ऐसे में कोयल और कौवे के घोंसले वाला रूपक प्रासंगिक हो उठता है। कोयल अपना घोंसला नहीं बनाती; वह दूसरे पक्षी यानी कौवे के घोंसले में अंडे देती है और कौवा उन्हें अपना समझकर पालता है। राजनीति में भी कभी-कभी छोटे दल बड़े दलों के संगठन, जनाधार और राजनीतिक मंच का सहारा लेकर अपना प्रभाव बढ़ाते हैं।

समस्या तब पैदा होती है जब सड़क का संघर्ष राजनीतिक विकल्प देने के बजाय केवल विरोध की स्थायी मुद्रा बनकर रह जाए। लोकतंत्र में विरोध आवश्यक है, लेकिन विरोध की सार्थकता इस बात से तय होती है कि वह जनसमस्याओं के समाधान का विश्वसनीय रास्ता भी प्रस्तुत करता है या नहीं यहीं ? और जब वह देश में बदलाव की बात के लिए बांग्लादेश के अमरीका प्रायोजित सत्ता पलट जेन जी आंदोलन को नेहा वोरा जैसी खाटी वामपंथी अपना आदर्श (नेपाल नहीं क्योंकि वहां तो वामपंथी सरकार बदली) बताने लगे तो क्या भारतीय युवा उसे भला क्या खाक समर्थन देंगे ।

न्यूज विंडो

लालकृष्ण आडवाणी दिल्ली के अपोलो में भर्ती, हालत स्थिर

नई दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री 98 वर्षीय लालकृष्ण आडवाणी को दिल्ली के इंदुप्रस्थ अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार, सीते में संक्रमण की शिकायत के बाद उन्हें अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों की टीम उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है और आवश्यक जांच की जा रही है। अस्पताल से जुड़े सूत्रों के अनुसार, फिलहाल उनकी हालत में किसी तरह की गिरावट की सूचना नहीं है।

घुसपैठ की कोशिश नाकाम, सेना ने कई आतंकियों को घेरा

श्रीनगर। कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में नियंत्रण क्षेत्र (एलओसी) पर भारतीय सेना के सतर्क जवानों ने पाकिस्तान की ओर से घुसपैठ की एक और नापाक साजिश को नाकाम कर दिया है। घुसपैठ का यह प्रयास केरन सेक्टर के जमगुंड में हुआ है। केरन सेक्टर में सीमा पार से चुपके से दाखिल होने की कोशिश कर रहे घुसपैठियों को सेना ने चुनौती दी। जवाब में दोनों ओर से गोलीबारी हुई। अंतिम रिपोर्ट मिलने तक यह अभियान जारी था।



टैरिफ की तलवार फिलहाल म्यान में... राष्ट्रपति की अपनी मजबूरियां बनीं वजह ट्रम्प ने 100% टैरिफ का कानून रोका रूस से तेल खरीदी पर भारत को राहत

मिडटर्म चुनाव की भी चिंता, महंगे पेट्रोल से राहत चाहता है अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

रूस से कच्चा तेल खरीदने के कारण भारत पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाए जाने का खतरा फिलहाल टल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून पर कार्रवाई रोक दी है। इससे भारत को अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए रूस से तेल खरीदने के मामले में तत्काल राहत मिली है। ट्रम्प ने अपने फैसले को अमेरिका के राष्ट्रीय हित में बताया है। इस फैसले के पीछे अमेरिका की अपनी आर्थिक और राजनीतिक मजबूरियां भी अहम मानी जा रही हैं। रूस से तेल की आपूर्ति प्रभावित होने और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतें बढ़ने के बीच ट्रम्प के लिए अमेरिकी उपभोक्ताओं को महंगे पेट्रोल से राहत दिलाना बड़ी चुनौती है। नवंबर में होने वाले मध्यवर्धि चुनावों से पहले पेट्रोल की कीमतें और महंगाई भी उनके लिए अहम मुद्दे हैं।

इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100 फीसदी तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में भारत के अलावा चीन, स्लोवाकिया, हंगरी और अजरबैजान शामिल थे। प्रतिबंधों का मकसद रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात यह है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी।

ट्रम्प ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल (लिट्से ग्राहम एक्ट) को बीते 16 सितंबर को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने 262-159 वोटों से मंजूरी दी थी। ट्रम्प ने इस पर 18 सितंबर को हस्ताक्षर किए थे। कानून पर हस्ताक्षर के बाद ट्रम्प को प्रतिबंध लगाने का फैसला 30 दिन के भीतर करना था। ट्रम्प ने इससे पहले ही प्रतिबंधों और टैरिफ पर छूट दे दी।

उल्लेखनीय है कि भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 45 फीसदी थी। बीते अगस्त में रूस से रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा गया था। ऐसे में रूस से तेल खरीदने पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगने का खतरा भारत के लिए बड़ी चिंता की वजह था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कल कहा था कि भारत तेल की उपलब्धता और दुनिया के हालात को देखकर अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का फैसला करता है। भारत पहले भी अमेरिकी अधिकारियों के सामने यह मुद्दा उठा चुका है।

ट्रम्प के फैसले से नाराजगी

पिछले हफ्ते ट्रम्प ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ समझौते का ऐलान किया था। इसके तहत अमेरिका रूस से डीजल खरीदेगा। इस फैसले से यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की नाराज हैं। यूरोपीय अधिकारियों ने भी इसका विरोध किया। इसी हफ्ते अमेरिकी संसद के दोनों दलों के कुछ सदस्यों ने ट्रम्प से डीजल की बिक्री पर दी गई छूट वापस लेने की मांग की। कई सांसदों ने ट्रम्प के फैसले की आलोचना भी की। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, कुछ सांसदों को पहले से आशंका थी कि ट्रम्प कानून के तहत रूस पर सख्ती नहीं करेंगे।

उनके अपने देश में बढ़ रही हैं तेल की कीमतें

रूस को प्रतिबंधों से राहत देने का फैसला ट्रम्प ने ऐसे समय लिया है, जब अमेरिका में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। यूक्रेन के रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमलों से तेल की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इससे दुनिया में तेल महंगा हो रहा है। ट्रम्प चाहते हैं कि तेल की कीमतें कम हों, ताकि अमेरिका में पेट्रोल सस्ता हो सके। नवंबर में अमेरिका में मध्यवर्धि चुनाव होने हैं। इन चुनावों में मतदाता महंगाई और पेट्रोल की कीमतों जैसे मुद्दों पर सरकार का काम देखेंगे।



हिमाचल में महसूस हुए भूकंप के झटके, घरों से बाहर निकले लोग

शिमला। हिमाचल में आज सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का समय सुबह के कारण अधिकतर लोग गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक धरती हिलने और झटके महसूस होते ही लोग सहम गए और अपनी जान बचाने के लिए अफरा-तफरी में घरों से बाहर निकल आए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, यह भूकंप आज तड़के 4 बजकर 36 मिनट पर आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.1 मापी गई है। इसका असर शिमला के साथ-साथ प्रदेश के कई अन्य इलाकों में भी देखने को मिला। गनीमत यह रही कि अब तक कहीं से भी किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान या मकानों में दरार आने की खबर नहीं मिली है।

आज का कार्टून

30 फीट का कॉकरोच भी जलेगा रावण के साथ!

मैं बचाऊंगा लोकतंत्र

अराजकता

मेट्रो एंकर

पैदल चलने वालों की सुरक्षा को लेकर चेतावनी, काम नहीं आएंगे प्रशासनिक बहाने सुप्रीम कोर्ट के जज बोले- तो... हम हाईकोर्ट के गेट पर बैठ जाएंगे...

नई दिल्ली, एजेंसी

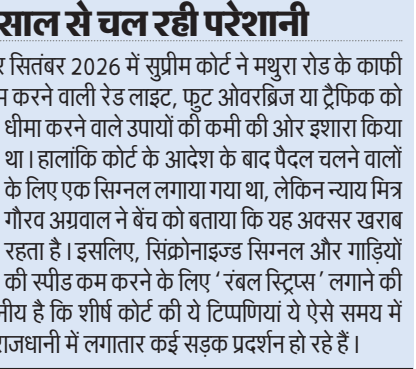
सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में मथुरा रोड पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा को लेकर बड़ी टिप्पणी की है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने कहा कि अगर 25 नवंबर से पहले मथुरा रोड पर पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य गेट पर धरने पर बैठ जाएंगे। बेंच ने दिल्ली हाई कोर्ट अधीनस्थ और नेशनल जूलॉजिकल पार्क के पास मौजूद खतरनाक पैदल क्रॉसिंग को ठीक करने में हो रही देरी पर असंतोष जताया। इस जगह से हर दिन हजारों वकील, मुवक्किल और बच्चे गुजरते हैं।

बार एंड बेंच की रिपोर्ट के अनुसार दोनों जस्टिस की बेंच ने अतिरिक्त सिलिसिटर जनरल विक्रमजीत बनर्जी से बात करते हुए कहा- 'अगर आप अगली तारीख से पहले यह काम नहीं करते हैं, तो हम दोनों दिल्ली हाई कोर्ट के मुख्य गेट पर



पहुंच जाएंगे और तब तक घर नहीं जाएंगे, जब तक आप काम पूरा नहीं कर लेते। यह पक्का है और मिस्टर बनर्जी को भी घर नहीं जाने देंगे।' इस पर एएसजी बनर्जी ने जवाब दिया कि उच्च स्तर पर चर्चा के बाद एक समिति इस मामले को देख रही है।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'इसके लिए आपको समिति की क्या जरूरत है? क्या आपको कुछ इंजीनियर चाहिए? आप मिस्टर गौरव अग्रवाल (अमिकस क्यूरी) को ले लीजिए, वे आपके मदद करेंगे। वे बता देंगे कि वहां असल समस्या क्या है।' एक सख्त समय-सीमा तय करते



हुए सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया कि अब प्रशासनिक बहाने या स्पष्टीकरण काम नहीं आएंगे। 'लेकिन इसे 25 नवंबर से पहले पूरा करना ही होगा। कंक्र्रीट का काम पूरा हो जाना चाहिए। वरना आपके चीफ सेक्रेटरी आपके बगल में यहीं खड़े होंगे। समझे?'

हादसा: भोपाल से खाटूश्याम जा रही मिनी बस नाले में गिरी, 8 की मौत

कोटा, एजेंसी। राजस्थान के कोटा में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैपो टैवलर (मिनी बस) पुलिया से गिर गया। हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। सभी लोग मध्य प्रदेश के बैतूल के रहने वाले थे। एक्सप्रेसवेट आज सुबह 6 बजे सिमलिया थाना क्षेत्र में हुआ। एसएचओ नंद सिंह ने बताया कि बस भोपाल से खाटूश्यामजी जा रही थी। कराड़िया टोल से कुछ किमी दूर पुलिया से 15 फीट नीचे गिर गई। एक्सप्रेसवेट में 17 पैसेंजर घायल हुए हैं। कई डेडबॉडी सीटों के बीच फंसी थीं। उन्हें बड़ी मुश्किल से बाहर खींचा गया।



तीर्थयात्रियों का ट्रैपो खाई में गिरा, तीन की गई जान

नांदेड़। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले में नवरात्रि के दौरान मंदिर के दर्शन कर लौट रहे लोगों के साथ दर्दनाक हादसा हो गया। केरौली घाट पर एक तीर्थयात्रियों से भरा ट्रैपो करीब 100 फीट गहरी खाई में जा गिरा। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हुए हैं।

बेंगलुरु में आज पहली बार भिड़ेंगे भारत-वेस्टइंडीज

बेंगलुरु। भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांचवा और आखिरी टी-20 मैच आज खेला जाएगा। मुकाबला बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में शाम 7 बजे शुरू होगा। फिलहाल सीरीज 2-2 से बराबर है। भारत 2019 से घर में टी-20 सीरीज नहीं हारा है। मेहमान टीम के पास भारत के इस विजयी अभियान को रोकने का मौका होगा। साथ ही यह पहला मौका है, जब बेंगलुरु में दोनों टीमों की भिड़त होगी।

पेज-7 भी देखें...

अभिजीत दीपके को जेल या बेल, फैसला आज

नई दिल्ली। कल हिरासत में लिए गए कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को आज पुलिस ने औपचारिक रूप से गिरफ्तार लिया है। उन्हें आज स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया जा रहा है। शुक्रवार को कर्नाट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले यह कार्रवाई की गई थी। 8 दिन में उनके खिलाफ पुलिस का यह दूसरा एक्शन है।

ध्रुव राठी के खिलाफ साकेत कोर्ट का जमानती वारंट

दिल्ली की एक अदालत ने आज यूट्यूबर ध्रुव राठी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किया। यह 2018 में दर्ज अपराधिक मानहानि का मामला है, जिसे बीजेपी आईटी सेल के सदस्य विकास पांडे ने दायर किया था। शिकायत में ध्रुव राठी पर अपने यूट्यूब चैनल पर अपलोड किए गए एक वीडियो के जरिए मानहानि करने का आरोप लगाया गया है।



शहर पर चढ़ा बंगाली परंपरा का रंग कालीबाड़ियों में विराजीं मां जगदंबा

भोपाल। शहर में दुर्गोत्सव को लेकर उत्साह चरम पर है। मां दुर्गा के स्वागत के लिए शहर की 10 कालीबाड़ियों में षष्ठी के अवसर पर विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ मां दुर्गा के महिषासुर मर्दिनी स्वरूप की प्रतिमाओं की स्थापना की गई। इस बार सभी कालीबाड़ियों में अलग-अलग थीम पर पंडाल सजाए गए हैं। चार दिनों तक यहां धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-अर्चना व सांस्कृतिक उत्साह का माहौल रहेगा। उत्सव के अंतिम दिन सिंदूर खेला के साथ मां को विदाई दी जाएगी। कालीबाड़ी प्रबंधकों के अनुसार, षष्ठी की सुबह से ही पूजा-अर्चना और अनुष्ठान शुरू हो गए हैं। कोलकाता से आए पुरोहितों ने पूजा संपन्न करवाई गई। मां दुर्गा की प्रतिमाओं को पारंपरिक स्वरूप देने के लिए पश्चिम बंगाल के 21 तालाबों से मिट्टी मंगाई गई है।

21 प्रकार के व्यंजनों के भोग में दिखाई देगी बंगाली संस्कृति
दुर्गोत्सव के दौरान मां दुर्गा को 21 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा। इसमें मालपुआ, खीर, संदेश, कलाकंद, रसगुल्ला, पुलाव, खिचड़ी, फ्राई सब्जियां और पीठा सहित कई पारंपरिक व्यंजन शामिल होंगे। भोग की यह विशेष व्यवस्था बंगाली संस्कृति और धार्मिक परंपराओं की झलक पेश करेगी।

बंगाल की परंपरा के अनुसार होगा सिंदूर खेला

चार दिनी आयोजन में कालीबाड़ियों में मां दुर्गा की आराधना के साथ पारंपरिक रीति-रिवाज निभाए जाएंगे। उत्सव के अंतिम दिन बंगाली परंपरा के अनुसार सिंदूर खेला का आयोजन होगा।



टीटी नगर

बैरागढ़

सर्विस रिवाॅल्वर साफ करते हुए गोली, प्रधान आरक्षक घायल

भोपाल। इयूटी पर जाने की तैयारी कर रहे भोपाल क्राइम ब्रांच के प्रधान आरक्षक के साथ घर में ही हादसा हो गया। सर्विस रिवाॅल्वर की सफाई के दौरान अचानक गोली चल गई। गोली उनके बाएं हाथ की हथेली को भेदते हुए आर-पार निकल गई। गोली की आवाज से घर में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल घायल प्रधान आरक्षक बीरबल रजक को बैरागढ़ के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। उन्हें हमीदिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि रिवाॅल्वर साफ करते समय किन परिस्थितियों में गोली चली।

न्यूज विंडो

छात्रा को अगवा कर रेप करने वाले को 10 साल की सजा

भोपाल। विशेष न्यायाधीश (पास्को एक्ट) मनोहरलाल पाटीदार की अदालत ने 17 वर्षीय बी.काम प्रथम वर्ष की छात्रा को बहला-फुसलाकर अपहरण कर रेप करने वाले आरोपी सुधांशु वर्मा पुत्र देशराज वर्मा उम्र 26 साल निवासी द्वारका नगर को दोषी ठहराते हुए दस साल कैद और 11 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक अजय शंकर प्रजापति और ज्योति कुजूर ने बताया कि 17 मई 2021 को 17 वर्षीय छात्रा बिना बताए घर से कहीं चली गई थी। परिजनों ने थाना जहागीराबाद में छात्रा की ग़ुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने उसे को घोड़ा नक्कास से दस्तयाब किया था। बयानों में उसने बताया था कि वह आरोपी सुधांशु को 4 साल से जानती है। दोनों एक-दूसरे से फोन पर बात करते थे। 17 मई 2021 को सुधांशु ने मिलने बुलाया। उसे होटल ले गया और जबरदस्ती की।

पांच किलो गांजा लेकर घूम रहा था, तस्कर को ढाई साल की सजा

भोपाल। एनडीपीएस एक्ट के विशेष न्यायाधीश डॉक्टर मुकेश कुमार मलिक की अदालत ने मादक पदार्थ गांजा की तस्करी करने वाले आरोपी बृजेश जैन पिता हुकुम चन्द्र जैन निवासी बैरसिया रोड भोपाल को दो साल 7 माह की कैद और 5000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। विशेष लोक अभियोजक मनोज त्रिपाठी और विक्रम सिंह ने बताया कि बैरसिया पुलिस ने 24 मार्च 2024 को बसई जोड़ बस स्टॉप पश्मशाबाद से अवैध रूप से 5 किलो 100 ग्राम गांजे के साथ आरोपी को पकड़ा था।

7 महिलाओं के साथ जुआ खेलता मिला एसएफ का जवान, गिरफ्तार

भोपाल। हममानांशु पुलिस ने राजदेव कॉलोनी स्थित शिखर होम्स के फ्लैट में जुआ खेलते 11 लोगों को पकड़ा है। इनमें 7 महिलाएं हैं। पकड़े गए लोगों में एसएफ का जवान सतीश कुमार भी है। पुलिस ने मौके से 16,350 रुपए नकद और ताश के पत्तों की तीन गड्डियां जब्त की हैं। पुलिस के मुताबिक, 12 अक्टूबर को रात सूचना मिली थी कि मकान नंबर 42 में कुछलोग ताश के पत्तों पर रुपए का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की।

जिला कोर्ट के पिछले गेट से क्राइम ब्रांच ने दबोचा

चार ग्राम एमडी ड्रग के साथ पकड़ा गया युवक तो बोला-मैं वकील हूं

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में क्राइम ब्रांच ने रात जिला कोर्ट के पिछले गेट के पास एमडी (मेफेड्रोन) तस्करी के आरोप में एक युवक को हिरासत में लिया। उसके कब्जे से करीब 4 ग्राम एमडी जब्त किए जाने का दावा है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत करीब 1 लाख रुपए बताई जा रही है। पूछताछ के दौरान युवक ने खुद को भोपाल जिला कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाला वकील बताया है। पुलिस उसके इस दावे की पुष्टि कर रही है। बताया जा रहा है कि क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि जिला कोर्ट के पिछले गेट के पास एक युवक मादक पदार्थ की डिलीवरी देने के लिए खड़ा है। टीम ने मौके पर पहुंचकर युवक को हिरासत में लिया।



सप्लायर और खरीदार की तलाश कर रही पुलिस

आरोपी की पहचान जहागीराबाद निवासी मुकुल डोलपुरे के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच आरोपी से पूछताछ कर मादक पदार्थ की सप्लायर से जुड़े नेटवर्क का पता लगा रही है। यह भी जांच कर रही है कि आरोपी पहले भी ऐसी गतिविधियों में शामिल रहा या नहीं। उसके संपर्कों व मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

बरखेड़ी कला में जनकल्याण हिंदू उत्सव समिति का आयोजन

भक्ति की बयार..क्या 5 और क्या 55 सभी उम्र के श्रद्धालु गरबे पर झूमे



भोपाल। बरखेड़ी कला का भगवान रामदेव दशहरा मैदान गरबा और भक्ति के रंग में रंगा है। जन कल्याण हिंदू उत्सव समिति के पांच दिवसीय महोत्सव में पांच साल के बच्चों से लेकर 55 साल तक की महिलाएं माता की आराधना में गरबा कर रही हैं। इस उत्सव में शाम होते ही ग्रामीण महिलाओं और आसपास के श्रद्धालुओं की भीगीदारी बढ़ जाती है। समिति अध्यक्ष जीवन मारन ने बताया कि आयोजन संरक्षक, पदाधिकारियों और सदस्यों के सहयोग से प्रतिवर्ष होता है। उद्देश्य महिलाओं-बच्चों को धार्मिक उत्सव से जोड़ना और सामाजिक सहभागिता बढ़ाना है। 20 अक्टूबर को यहां भव्य दशहरा उत्सव होगा।

निगम के झील प्रकोष्ठ का बजट 5 करोड़, फिर भी जलकुंभी से पटे जलाशय

‘तालों’ के शहर में लापरवाही के सुर, तालाबों में कचरा-सीवेज

भोपाल। दोपहर मेट्रो

झीलों के शहर भोपाल में ही झीलों की हालत बदतर होती जा ही है। इसका रखरखाव करने वाला नगर निगम सवालों के घेरे में है। यूं तो हर साल झीलों के मेटेनेंस के लिए निगम के पास पांच करोड़ का फंड दिया जाता है। निगम के झील संरक्षण प्रकोष्ठ के पास संसाधन हैं। मशीनें भी हैं। लेकिन सफाई न के बराबर है। इससे झील संरक्षण प्रकोष्ठ की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने लगे हैं। आलम यह है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के कई आदेशों के बाद भी झीलों की तस्वीर नहीं बदल रही। प्रमुख झीलों कचरे, सीवेज, गाद, जलकुंभी से जूझ रही हैं। छोटे तालाब में 8 एमएलडी अनुपचारित सीवेज पहुंच रहा है।

ऐसे में सवाल झीलों की हालत से ज्यादा उस व्यवस्था पर है, जिसे इन्हें बचाने के लिए खड़ा किया गया है। झील संरक्षण प्रकोष्ठ झीलों की साफ-सफाई और मॉनिटरिंग कराने वालों की तर्ज पर एक सहायक स्वास्थ्य अधिकारी की तैनाती करता है। झीलों की सफाई और अतिक्रमण न हो इसकी मॉनिटरिंग करने की जिम्मेदारी एचएचओ संदीप सिंह ठाकुर संभाल रहे हैं। बताते हैं कि इनका मूल पद निम्न श्रेणी लिपिक है। रिकॉर्ड में झील के एचएचओ मो.काशिफ हैं। यहां तक कि झील संरक्षण प्रकोष्ठ की मशीनों और बोट्स को डीजल-पेट्रोल का इंडेंट काटने का काम भी ठाकुर के पास है।



18 साल में 180 करोड़ खर्च

2005 में बने इस झील संरक्षण प्रकोष्ठ के बाद भी हालात नहीं बदल रहे। आरटीआई से से सामने आई जानकारी के अनुसार, निगम के पास प्रकोष्ठ के स्वीकृत पद, भर्ती नियम, तकनीकी दक्षता, उद्देश्य, अधिकार और दायित्व से जुड़ी जानकारी तक उपलब्ध नहीं थी। इसी अवधि में अलग-अलग मदों में झील संरक्षण पर 180 करोड़ से अधिक खर्च होने की जानकारी भी सामने आई। हालांकि मौजूदा वक्त तक 240 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। वहीं अन्य योजनाओं में 500 करोड़ तक खर्च हुए हैं।

निगम कर रहा है काम: महापौर

महापौर मालती राय का कहना है कि झील संरक्षण के लिए निगम लगातार सफाई कर रहा है। जलकुंभी हटाने, गाद निकालने और नालों के पानी को रोकने के काम कर रहा है। हम प्रयास कर रहे हैं कि झीलों में का गंदा पानी और कचरा न पहुंचे। झील संरक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी संतोष गुप्ता का कहना है कि बड़ी झील सहित सभी तालाबों की सफाई कराई जाती है। अला-अलग योजनाओं से झीलों में सीवेज रोकने का काम किया जा रहा है।

हमारे तालाबों की हालत

■ **बड़ा तालाब :** बैरागढ़ से सैर सपाटा तक बड़े तालाब के कई हिस्सों में किनारों पर कचरा नजर आ रहा है। गणेश विसर्जन के बाद कई स्थानों पर प्रतिमाओं के दांचे और पूजन सामग्री के अवशेष भी पड़े हैं।
■ **छोटा तालाब :** छोटे तालाब की हालत सबसे ज्यादा चिंता बढ़ा रही है। दो नालों से 8 एमएलडी सीवेज तालाब में जा रहा है। मछलियों की मौत का मामला एनजीटी तक पहुंच चुका है।
■ **मोतिया तालाब :** बस्तियों व नालों का पानी तालाब में आ रहा है। गाद और कचरे के साथ जल गुणवत्ता पर असर है। मछलियों की मौत भी हुई है।
■ **नवाब सिद्दीक हसन खां तालाब :** घनी आबादी से घिरे इस तालाब में आसपास के इलाकों का गंदा पानी नालों से पहुंच रहा है। 24 अस्पतालों और एक लाख की आबादी के सीवेज का दबाव इस जलाशय पर है।

दशहरे पर टूटेगा 51 फीट के रावण, मेघनाद-कुंभकर्ण का दंभ



भोपाल। दोपहर मेट्रो

मां दुर्गा की आराधना के साथ ही अब शहर में दशहरा की तैयारियां भी जोरशोर से चल रही हैं। दशहरा पर, शहरभर के अलग-अलग हिस्सों में रावण दहन होगा। कहीं, 51 फीट के रावण का अहंकार चूर होगा तो कहीं रावण के साथ उनके बेटे मेघनाद और भाई कुंभकर्ण के पुतले भी जलाए

जाएंगे। इस बीच मातृछाया दशहरा उत्सव सांस्कृतिक आयोजन समिति ने दशहरा महोत्सव में रील प्रतियोगिता रखी है। एकतापुरी दशहरा मैदान, सेमरा में इस बार भगवान श्रीराम की भव्य बारात निकलेगी। महाकाल अघोरी की झांकी और मां काली का विकराल स्वरूप भी श्रद्धालुओं को नजर आएगा।बारात सेमरा मंडी से

निकलकर एकतापुरी दशहरा मैदान पहुंचेगी और प्रभु श्रीराम के बाणों से रावण के अहंकार का अंत होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खेल मंत्री विश्वास सारंग होंगे। वहीं, दूसरी ओर श्री हिंदू उत्सव समिति के 51 फीट ऊंचे रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के आकर्षक पुतलों का निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है।

मेट्रो एंकर

आवासीय कॉलोनियों में फैल रही गंदगी और कचरे पर एनजीटी का सख्त रुख

शहर में कचरे के अंबार और सीवेज की समस्या पर कलेक्टर और निगम को समयबद्ध सफाई के निर्देश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की सेंट्रल जोनल बेंच भोपाल ने आवासीय कॉलोनियों में फैल रही गंदगी और कचरे के बढ़ते अंबार पर कड़ा रुख अपनाया है। ट्रिब्यूनल ने संविधान के अनुच्छेद 21 का हवाला देते हुए दो टुक कहा है कि नागरिकों को स्वच्छ और स्वस्थ पर्यावरण पाने का मौलिक अधिकार है, जिसका और अधिक इंतजार नहीं कराया जा सकता। मूल आवेदन संख्या 56/2026 (संदीप पटेल बनाम मध्य प्रदेश राज्य एवं अन्य) के तहत सुनवाई करते हुए ट्रिब्यूनल ने भोपाल कलेक्टर, नगर निगम कमिश्नर और संबंधित



ऐसी टप्पणी...गंभीर समस्याओं से लोगों के मौलिक अधिकारों का हो रहा है हनन

अधिकारियों को ठोस कचरे का वैज्ञानिक निस्तारण, कार्यशील सीवेज सिस्टम और जल स्रोतों में बिना ट्रीटमेंट के बहने वाले गंदे पानी को पूरी तरह रोकने के निर्देश दिए हैं।

याचिकाकर्ताओं के वकील एडवोकेट हर्ष वर्धनकर और एडवोकेट आयुष बाजपेयी ने अदालत को बताया

कि प्रशासनिक लापरवाही के कारण शहर के कई इलाकों, विशेष रूप से इंडब्यूएस बहुमंजिला परिसरों में अस्वस्थकर हालात, अनियंत्रित कचरा डंपिंग, दूषित पेयजल और चोक नालियों की गंभीर समस्याएं बनी हुई हैं, जिससे नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

ट्रिब्यूनल के कड़े निर्देश, समय सीमा भी की तय

■ **समयबद्ध कार्रवाई :** मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी नजर रखने और समयबद्ध कार्रवाई करने का आदेश दिया गया है।
■ **सोर्स पर कचरा अलगाव :** रेजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि कचरा घरों से ही अलग-अलग करके डी.बाहर निकाला जाए।
■ **नियमित समीक्षा :** कलेक्टर की अध्यक्षता वाली जिला समिति को नियमित रूप से शहर में होने वाली

एनजीटी ने एक्शन टेकन रिपोर्ट भी मांगी

यह आदेश 1 अप्रैल 2026 से लागू हुए नए 'ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026' (2026) के तहत आया है, साथ ही एनजीटी ने प्रदेश के सभी शहरी स्थानीय निकायों से इस संबंध में एक्शन टेकन रिपोर्ट भी तलब की है।

इस पूरी सफाई व्यवस्था की प्रक्रिया और प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास का नया अध्याय

600 किमी का कॉरिडोर बदलेगा प्रदेश की तस्वीर, 3 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास को नई गति देने के लिए जबलपुर-भोपाल-इंदौर इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की शुरुआत प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगी। करीब 600 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर राज्य के पूर्वी, मध्य और पश्चिमी क्षेत्रों को आर्थिक रूप से जोड़ते हुए उद्योग, कृषि, लॉजिस्टिक्स, तकनीक और सेवा क्षेत्र के विकास का नया मार्ग प्रशस्त करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह परियोजना मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक और निवेश केंद्रों में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री निवास स्थित संवाद भवन में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि यह कॉरिडोर प्रदेश के तीन प्रमुख महानगरीय क्षेत्रों—जबलपुर, भोपाल और इंदौर—को सीधे जोड़ेगा। इससे मध्यप्रदेश में एक मजबूत और एकीकृत औद्योगिक नेटवर्क विकसित होगा। परियोजना का लाभ इसके दायरे में आने वाले सात जिलों के साथ आसपास के क्षेत्रों को भी मिलेगा। इससे औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार, कृषि आधारित उद्योगों की स्थापना और व्यापारिक सुविधाओं के विकास को गति मिलेगी।

जबलपुर के महाकौशल चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज सहित विभिन्न औद्योगिक एवं व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने कॉरिडोर को कैबिनेट की मंजूरी मिलने पर मुख्यमंत्री का अभिनंदन कर आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह और चैंबर के अध्यक्ष रवि गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।



तीन चरणों में आगे बढ़ेगा विकास का रोडमैप

मुख्यमंत्री ने बताया कि अगले तीन से छह महीने में भूमि का चिह्नकन और मास्टर प्लान तैयार करने का लक्ष्य है। इसके बाद छह से 12 महीने के भीतर औद्योगिक क्षेत्रों और आवश्यक बुनियादी ढांचे के विकास का काम शुरू किया जाएगा। राज्य सरकार ने मार्च 2028 के अंत तक 10 हजार एकड़ औद्योगिक भूमि विकसित करने, एक लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करने और तीन लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध

कराने का रोडमैप तैयार किया है। कॉरिडोर के विकास और क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार अपने पूर्ण स्वामित्व वाली विशेष प्रयोजन साधन (एसपीवी) कंपनी स्थापित करेगी। इसमें प्रारंभिक रूप से 100 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि उद्योगों को बिजली, पानी, सड़क और अन्य जरूरी सुविधाएं पहले से उपलब्ध कराई जाएं, ताकि निवेशकों को परियोजनाएं स्थापित करने में आसानी हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्योगों के विकास का उद्देश्य केवल निवेश बढ़ाना नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना भी है। सरकार छोटे-बड़े व्यापारियों और सभी औद्योगिक क्षेत्रों के हितों को ध्यान में रखकर सुविधाएं विकसित कर रही है। कॉरिडोर से उद्योगों को बाजार, परिवहन और जरूरी संसाधनों तक बेहतर पहुंच मिलेगी। लोक निर्माण मंत्री

राकेश सिंह ने इस सौगात के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार महाकौशल और जबलपुर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्यों को मिल रही गति की सराहना की। कार्यक्रम में महाकौशल क्षेत्र के 11 जिलों से आए उद्योगपतियों, व्यापारियों और व्यावसायिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने परियोजना के प्रति उत्साह जताया।

जबलपुर बनेगा मैन्युफैक्चरिंग, इंजीनियरिंग और डिफेंस का केंद्र

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से महाकौशल क्षेत्र, विशेषकर जबलपुर को बड़ा लाभ मिलेगा। संस्कारधानी जबलपुर, प्रशासनिक राजधानी भोपाल और औद्योगिक राजधानी इंदौर एक ही कॉरिडोर से जुड़ेंगे। जबलपुर को इंडस्ट्रियल हब के साथ इंजीनियरिंग, डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग, एयरोस्पेस सहायक उद्योग, फूड प्रोसेसिंग और लॉजिस्टिक्स के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। वहीं, नरसिंहपुर और रायसेन में कृषि प्रसंस्करण एवं फूड पार्क, भोपाल में टेक्नोलॉजी, इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और नॉलेज सर्विसेज, सीहोर-देवास क्षेत्र में फूड प्रोसेसिंग और वेयरहाउसिंग तथा इंदौर में आईटी, एवांवाड मैन्युफैक्चरिंग और लॉजिस्टिक्स को बढ़ावा दिया जाएगा।

प्रदेश के किसानों के लिए बड़ी तैयारी

3,076 करोड़ से बदलेगी 3,447 गांवों की तस्वीर, हर खेत तक पहुंचेगा पानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के किसानों के लिए सिंचाई सुविधाओं के विस्तार की दिशा में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रदेश के चार जिलों रायसेन, मंदसौर, सिंगरीली और बुधनापुर की महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं को जारी रखने के लिए प्रशासनिक मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक कुल 3,076.37 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इससे चारों जिलों के 3,447 गांवों में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और मौजूदा व्यवस्था को मजबूत करने का रास्ता खुलेगा।

पांच साल में सिंचाई नेटवर्क को मिलेगा विस्तार— राज्य सरकार की इस पहल का प्रमुख उद्देश्य किसानों को खेती के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध कराना और कृषि उत्पादन बढ़ाना है। स्वीकृत राशि से सिंचाई परियोजनाओं के निर्माण, नहरों के सुधार, जल वितरण प्रणाली को मजबूत करने और खेतों तक पानी पहुंचाने के लिए आवश्यक कार्य किए जाएंगे।

ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई का बुनियादी ढांचा मजबूत होने से किसानों को खरीफ और रबी, दोनों मौसमों में लाभ मिलने की उम्मीद है। इससे बारिश पर निर्भरता कम करने और खेती को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिल सकती है। रायसेन के सबसे ज्यादा गांवों को मिलेगा लाभ जारी जानकारी के अनुसार, चार जिलों में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार का दायरा अलग-अलग रखा गया है। रायसेन जिले में सबसे अधिक गांवों को योजना के तहत शामिल किया गया है।



किसानों की लागत घटाने और उत्पादन बढ़ाने पर जोर

खेती में समय पर पानी मिलना फसल की पैदावार और गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण है। सिंचाई नेटवर्क मजबूत होने से किसानों को फसलों की जरूरत के अनुसार पानी उपलब्ध कराने में सहायता मिल सकती है। इससे अनियमित बारिश के कारण पैदा होने वाली चुनौतियों का सामना करने की क्षमता भी बढ़ सकती है। इसके अलावा, सिंचाई सुविधाओं का विस्तार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कृषि उत्पादन बढ़ने से किसानों की आय में सुधार की संभावनाएं बनेंगी और कृषि आधारित गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिल सकता है।

रायसेन: 1,485 गांवों में सिंचाई व्यवस्था मजबूत करने का लक्ष्य।
मंदसौर: 955 गांवों तक सिंचाई सुविधाओं का विस्तार।
सिंगरीली: 744 गांवों को परियोजना के दायरे में शामिल किया गया है।
बुधनापुर: 263 गांवों में सिंचाई नेटवर्क को बेहतर बनाया जाएगा। इन चारों जिलों को मिलाकर कुल 3,447 गांवों को सिंचाई संबंधी बुनियादी सुविधाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है। परियोजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से कृषि क्षेत्र में पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर रहेगी नजर

सरकार की ओर से पांच साल की अवधि के लिए राशि स्वीकृत किए जाने के बाद अब परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा में आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण होगा। नहरों के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाना, वितरण व्यवस्था को प्रभावी बनाना और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना इन योजनाओं की सफलता के प्रमुख आधार होंगे। कुल मिलाकर, 3,076.37 करोड़ रुपये की स्वीकृत मध्य प्रदेश के चार जिलों में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए अहम कदम है। यदि परियोजनाएं तय लक्ष्यों के अनुरूप पूरी होती हैं, तो हजारों किसान परिवारों को लाभ मिलने के साथ प्रदेश के कृषि क्षेत्र को भी मजबूती मिल सकती है।

आवासीय के लिए नए नियम, इंडस्ट्रियल एरिया में अब नहीं होंगे रो-हाउस और प्लॉट

सिर्फ बहुमंजिला फ्लैट बनाने की अनुमति

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्य सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों में आवासीय परियोजनाओं के विकास और औद्योगिक भूमि के आवंटन के लिए नए नियम तय किए हैं। इनके तहत औद्योगिक क्षेत्रों में प्लॉट आधारित आवासीय विकास, रो-हाउसिंग, स्वतंत्र आवासीय भूखंड और भूखंडों के उप-विभाजन की अनुमति नहीं होगी। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग ने इसका नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। हालांकि ये नियम सिर्फ नई परियोजनाओं के लिए होंगे। पहले से चल रही योजनाएं या निर्माण इससे प्रभावित नहीं होंगे।

यहां केवल फ्लैट या बहुमंजिला समूह आवास परियोजनाएं विकसित



की जा सकेगी। इन परियोजनाओं में सिंगल और डबल बेडरूम आवासीय इकाइयों के साथ छात्रावास तथा उनसे जुड़ी सामाजिक सुविधाएं भी बनाई जा सकेंगी। नियम अधिसूचित आवासीय भूमि पर विकसित होने वाली परियोजनाओं के साथ औद्योगिक इकाइयों को आवंटित भूमि पर बनाई

जाने वाली कैप्टिव आवासीय सुविधाओं पर भी लागू होंगे। सभी परियोजनाओं के लिए संक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति जरूरी होगी। विकास कार्य मास्टर प्लान, विकास योजना, भवन उपविधियों, भूमि आवंटन की शर्तों, अग्नि सुरक्षा और पर्यावरण संबंधी मानकों के अनुरूप करने होंगे।

दिग्विजय सिंह की सत्य सनातन स्वाभिमान पदयात्रा

दो शंकराचार्यों का मिला समर्थन, धर्म के नाम पर अधर्म के खिलाफ जनजागरण का संकल्प

भोपाल, दोपहर मेट्रो

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की प्रस्तावित सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा को ज्योतिषीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती और द्वाका शारदापीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने भी दिग्विजय सिंह की यात्रा के लिए शुभकामना संदेश मिले हैं। दोनों संतों ने अपने संदेशों में धर्म, नीति, सनातन परंपराओं और देवस्थानों की मर्यादा से जुड़े विचार रखे हैं। दिग्विजय सिंह ने इन संदेशों को साझा करते हुए कहा कि शंकराचार्यों के आशीर्वाचन उनके संकल्प और यात्रा में शामिल होने वाले सहयात्रियों के लिए

धर्म के आवरण में अधर्म हो तो सत्य के पक्ष में खड़े हों
ज्योतिषीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने अपने शुभकामना संदेश में धर्म और अधर्म के बीच अंतर को रेखांकित किया है। उन्होंने दिग्विजय सिंह की उस पहल का उल्लेख किया, जिसके तहत भगवान श्रीराम की प्रेरणा से धर्म के नाम पर हो रहे कथित अधर्म और मंदिरों में चढ़ाई की चोरी के खिलाफ जनजागरण का संकल्प लिया गया है। उन्होंने 20 अक्टूबर से दशहरा पर्व के अवसर पर भगवान महाकालेश्वर का आशीर्वाद लेकर उज्जैन से अयोध्या तक पदयात्रा करने के संकल्प के लिए शुभकामनाएं दीं।
सदानंद सरस्वती ने धर्म और नीति के संबंध पर खड़े विचार द्वारा शारदापीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती ने भी दिग्विजय सिंह की यात्रा के लिए शुभकामना संदेश भेजा है। उन्होंने अपने संदेश में भारत की धार्मिक और नैतिक परंपराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि नीति का उपयोग धर्म को बल देने के लिए किया जाना चाहिए संदेश में सनातन धर्म की व्यापकता और उसके मूल सिद्धांतों पर विचार रखे गए हैं।

प्रेरणादायी है। दिग्विजय सिंह की यह यात्रा 20 अक्टूबर से उज्जैन के भगवान महाकालेश्वर का आशीर्वाद लेकर शुरू करने की प्रस्तावित है। यात्रा

के जरिए धर्म के नाम पर कथित अधर्म, धार्मिक स्थलों की मर्यादा और सनातन धर्म के मूल स्वरूप को लेकर जनजागरण करने की बात कही गई है।

भोपाल के बाद अन्य बड़े शहरों में अटका मास्टर प्लान,

पांच साल पहले ही खत्म हो चुकी है इंदौर-जबलपुर और ग्वालियर की समय सीमा



जबलपुर की मास्टर प्लान प्लान के अवधि 2008 से शुरू होकर वर्ष 2021 तक के लिए थी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भले ही 20 वर्ष बाद भोपाल मास्टर प्लान प्लान (विकास योजना) का ड्राफ्ट लागू कर दिया गया हो, लेकिन अन्य शहरों के लिए ऐसी स्थिति नहीं बनी है। इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर जैसे शहरों का मास्टर प्लान स्थानीय राजनीतिक समीकरणों और हितधारकों के दबाव में अटका हुआ है। यह हितधारक बिल्डर, कालोनाइजर हैं और दूसरी ओर हैं शासकीय एजेंसियां।

इसी तरह सागर, सतना और रीवा के पुराने मास्टर प्लान के समय सीमा भी पूरी हो चुकी हैं। सागर और उज्जैन के मास्टर प्लान तैयार किए जा चुके हैं लेकिन इन्हें विजन-2047 के तहत अपडेट किया जा रहा है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे का कहना है कि प्रदेश के अन्य शहरों का मास्टर प्लान जल्द तय जाएगा, इसकी प्रक्रिया चल रही है। बता दें, समय सीमा स्पष्ट नहीं की गई है।

सरकार ने दिया तर्क

मास्टर प्लान न होने से इन शहरों का अनियोजित विकास हो रहा है। एनजीटी सहित अन्य न्यायालयों में शहरों के विकास से जुड़े कई प्रकरण विचाराधीन हैं। सरकार का तर्क है कि जबलपुर और ग्वालियर को मेट्रोपालिटन रीजन के रूप में विकसित करने के सरकारी तैयारी है। ऐसे में इन शहरों के लिए सिर्फ शहरी सीमा नहीं, बल्कि आसपास के गांवों और कस्बों को जोड़कर लैंड यूज, ट्रांसपोर्ट, रिंग रोड, आवास, उद्योग, ड्रेनेज और ग्रीन एरिया का दीर्घकालिक प्लान बनाया जाना प्रक्रियाधीन है। इंदौर का पिछला मास्टर प्लान एक जनवरी, 2008 से लागू हुआ था। समय अवधि 31 मार्च 2021 को समाप्त हो गई। जबलपुर के मास्टर प्लान प्लान के अवधि भी वर्ष 2008 से शुरू होकर वर्ष 2021 तक के लिए थी। ग्वालियर के लिए इससे पहले मास्टर प्लान 2005 और उसके बाद संशोधित मास्टर प्लान 2021 प्रभावी था, जिसकी अवधि वर्ष 2021 में समाप्त हो गई।

जमीन की कीमत ?250 प्रति वर्गमीटर से कम नहीं

सरकार ने औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि के मूल्य निर्धारण का आधार भी तय किया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में विकसित या विकसित किए जाने वाले औद्योगिक क्षेत्रों में जमीन का मूल्य संबंधित क्षेत्र की अंतिम कृषि भूमि के लिए निर्धारित कलेक्टर गाइडलाइन को 0.6 से थाम देकर निकाला जाएगा। हालांकि, किसी भी स्थिति में भूमि का मूल्य 2250 प्रति वर्गमीटर से कम नहीं होगा। यदि औद्योगिक क्षेत्र में तय गणना के आधार पर भूमि का मूल्य 250 प्रति वर्गमीटर से कम आता है, तो एमपीआईडीसी के प्रबंध संचालक को संचालक मंडल की अनुमति से मूल्य बढ़ाने का अधिकार होगा।

नरेला में दशहरा उत्सव की तैयारियों का मंत्री सारंग ने लिया जायजा

भोपाल। सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने शुक्रवार को नरेला विधानसभा क्षेत्र के समस्त दशहरा मैदानों का निरीक्षण कर उत्सव की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने और आयोजन स्थलों पर नागरिकों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मंत्रीसारंग ने कहा कि दशहरा सत्य की असत्य पर विजय और धर्म की अधर्म पर विजय का प्रतीक पर्व है। नरेला विधानसभा में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दशहरा उत्सव हर्षोह्रास और उत्साह के साथ मनाया जाएगा। इस पर्व को लेकर क्षेत्रवासियों में विशेष उत्साह है और बड़ी संख्या में नागरिक उत्सव के साक्षी बनेंगे।

शहीद पुलिसकर्मियों के परिवारों को राहत

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों के परिजनों से मिलेंगे सीएम

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में झूठी के दौरान शहीद हुए 9 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के परिवारों को अनुकंपा निधि और लंबित देयकों के भुगतान के लिए पुलिस मुख्यालय ने प्रक्रिया तेज करने के निर्देश दिए हैं। 21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इन दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इसके मद्देनजर पुलिस मुख्यालय ने संबंधित अधिकारियों को निधुकि और भुगतान से जुड़े प्रकरणों में कार्रवाई कर उसकी जानकारी उपलब्ध कराने को कहा है।



अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि दिवंगत पुलिसकर्मियों के परिजनों अनुकंपा निधि देते और उनके लंबित देयकों का भुगतान करने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए।

मेट्रो एंकर

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक आयोजनों का प्रमुख केंद्र बनाने की तैयारी तेज हो गई है। राजधानी भोपाल में प्रदेश का सबसे बड़ा सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र विकसित करने की योजना है। सतगढ़ी में प्रस्तावित इस केंद्र में एक साथ 6 से 8 हजार प्रतिनिधियों के बैठने की सुविधा होगी। इससे प्रदेश में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों, व्यापार मेलों तथा बड़े व्यावसायिक आयोजनों को बढ़ावा मिलने के साथ निवेश और पर्यटन के नए अवसर भी पैदा होंगे।

मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में आयोजित भारतीय प्रदर्शनी उद्योग



संघ के सम्मेलन में मध्यप्रदेश की पर्यटन संभावनाओं और निवेश के अवसरों को प्रस्तुत किया गया। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय के अपर सचिव एवं महानिदेशक सुमन बिह्ल की मौजूदगी में मध्यप्रदेश पर्यटन बोर्ड के अपर प्रबंध

संचालक डॉ. अभय अरविंद बेडेकर ने प्रदेश की योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. बेडेकर ने बताया कि प्रस्तावित सम्मेलन एवं प्रदर्शनी केंद्र 172 एकड़ में विकसित हो रहे सतगढ़ी स्मार्ट औद्योगिक पार्क का हिस्सा होगा। इसके

नियोजन में भारतीय व्यापार संवर्धन संगठन का तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है।

इंदौर और खजुराहो में भी सुविधाएं— वर्तमान में भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र संचालित है। इंदौर के ब्रिलियंट सम्मेलन केंद्र में 5 हजार से अधिक प्रतिनिधियों के बैठने की क्षमता और 15 छोटे सम्मेलन कक्ष हैं। वहीं, खजुराहो के महाराजा छत्रसाल सम्मेलन केंद्र में 1200 से अधिक प्रतिनिधियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं। सतगढ़ी में नया केंद्र बनने से प्रदेश की बड़े आयोजनों की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

पर्यटन नीति में मिलेगी आर्थिक सहायता

मध्यप्रदेश पर्यटन नीति-2025 के तहत 500 या उससे अधिक बैठक क्षमता वाली पात्र आवासीय सम्मेलन परियोजनाओं को पूंजीगत निवेश पर 15 प्रतिशत, अधिकतम 10 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी दी जा सकती है। पात्र राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रदर्शनियों के लिए स्थान और स्टॉल की लागत पर 50 प्रतिशत तक सहायता का प्रावधान है। पर्यावरण अनुकूल आयोजन प्रमाणन के लिए भी एक लाख रुपये तक की पूरी प्रतीति दी जा सकती है।

तकनीक की असली ताकत उसकी गति में नहीं, बल्कि उस पर नियंत्रण रखने वाले हाथों में होती है। इंटरनेट की दुनिया में यह सवाल अब पहले से कहीं अधिक गंभीर हो गया है। यूक्रेन में एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स की उपग्रह इंटरनेट सेवा स्टारलिनक को लेकर उठे विवाद ने भारत के सामने भी चेतावनी की घंटी बजा दी है। सवाल केवल इंटरनेट की उपलब्धता का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, रणनीतिक स्वायत्तता और संप्रभुता का है। जिस तकनीक पर किसी देश की व्यवस्था निर्भर हो जाए, उसके संचालन की चाबी यदि किसी विदेशी निजी कंपनी के पास हो, तो

संकट के समय उस देश की स्वतंत्रता कितनी सुरक्षित रह जाएगी? रूस के हमले के बाद यूक्रेन में स्टारलिनक ने संचार व्यवस्था को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लेकिन सैन्य संचार में बाधाओं और सेवा पर प्रतिबंधों को लेकर यूक्रेन की ओर से लगाए गए आरोपों ने इस निर्भरता के दूसरे पहलू को उजागर किया है। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि जरूरी है, पर चिंता का आधार स्पष्ट है। जब किसी निजी कंपनी का तकनीकी फैसला युद्धभूमि की परिस्थितियों को प्रभावित कर सकता है, तब तकनीक

राष्ट्रीय सुरक्षा या निजी हित

केवल कारोबारी उत्पाद नहीं रह जाती, वह रणनीतिक शक्ति का माध्यम बन जा सकता। दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों, सीमावर्ती इलाकों और दूरस्थ गांवों तक इंटरनेट पहुंचाने में यह कारगर हो सकती है। प्राकृतिक आपदाओं के दौरान, जब पारंपरिक संचार नेटवर्क जवाब दे जाते हैं, तब उपग्रह इंटरनेट राहत और बचाव कार्यों का सहारा बन सकता है। प्रतिस्पर्धा से उपभोक्ताओं को लाभ भी मिल सकता है। लेकिन इन सुविधाओं के आकर्षण में संभावित जोखिमों को

नजरअंदाज करना दूरदर्शिता नहीं होगी। बाजार की प्रतिस्पर्धा में उपभोक्ता का हित महत्वपूर्ण है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा किसी कंपनी की व्यावसायिक नीति के भरोसे नहीं छोड़ी जा सकती। यदि भविष्य में राजनीतिक दबाव, अंतरराष्ट्रीय तनाव या कारोबारी हितों के कारण सेवाएं सीमित होती हैं, तो उसकी कीमत केवल उपभोक्ताओं को नहीं, देश की सुरक्षा व्यवस्था को भी चुकानी पड़ सकती है। इसलिए भारत को स्टारलिनक के संचालन के लिए कठोर नियामकीय शर्तें, सुरक्षा संबंधी जवाबदेही और आपातकालीन परिस्थितियों में संचार की निरंतरता सुनिश्चित करनी होगी।

विरोध प्रदर्शनों की रिपोर्टिंग में पत्रकारों की सुरक्षा हो सर्वोपरि

विनोद सिंह 'तकियावाला'

स्तंभकार



विरव के सबसे बड़े लोकतंत्र में पत्रकारिता की सार्थकता उसकी निष्पक्षता, विश्वसनीयता और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता में निहित है। विगत दिनों में विरोध प्रदर्शन, धरना और जनआंदोलन लोकतांत्रिक व्यवस्था का अभिन्न हिस्सा हैं।ऐसे अवसरों पर प्रजातंत्र के प्राण व प्रहरी कढ़ने जाने वाले पत्रकारों की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। समाचार संग्रह हेतु घटनास्थल से सही जानकारी जुटाना, प्रदर्शनकारियों की मांगों को सामने लाना,प्रशासन की कार्रवाई का तथ्यपरक विवरण देना और आम जनता को वास्तविक स्थिति से अवगत कराना पत्रकारिता का महत्वपूर्ण दायित्व है। हालाँकि, इस दौरान पत्रकारों की सुरक्षा, पेशेवर मर्यादा और समाचारों की विश्वसनीयता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रेस परिषद ने 14 अक्टूबर 2026 को आयोजित बैठक में विरोध प्रदर्शनों और जनसभाओं की रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों के लिए विशेष दिशा-निर्देश अपनाए। परिषद ने 15 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस वृत्तिसि में इन दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए पत्रकारों की सुरक्षा, जिम्मेदार रिपोर्टिंग तथा मीडिया संस्थानों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया है। इनका उद्देश्य पत्रकारों को अपने पेशेवर दायित्वों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करने में सहायता देना और संवेदनशील परिस्थितियों में संभावित जोखिमों को कम करना है।

पहचान और पेशेवर आचरण की जिम्मेदारी: भारतीय प्रेस परिषद ने रिपोर्टिंग के दौरान पत्रकारों की पहचान और पेशेवर आचरण को महत्वपूर्ण माना है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, पत्रकारों को अपने मीडिया संस्थान अथवा समाचार पत्र द्वारा जारी वैध पहचान पत्र साथ रखना चाहिए। जहाँ लागू हो, वहाँ प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) अथवा दिल्ली सूचना एवं प्रचार निदेशालय (डीआईपी) का वैध मान्यता पत्र भी साथ रखना चाहिए। रिपोर्टिंग के दौरान पहचान पत्र स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करना आवश्यक है, ताकि पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारी जरूरत पड़ने पर पत्रकार की पहचान सुनिश्चित कर सकें। पत्रकारिता केवल घटनाओं को कैमरे में दर्ज करने अथवा समाचार लिखने तक सीमित नहीं है। इसके साथ निष्पक्षता और पेशेवर मर्यादा बनाए रखना भी जरूरी है। विरोध प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों को किसी पक्ष का समर्थन करने, आंदोलन में भाग लेने, टकराव भड़काने अथवा प्रदर्शनकारियों, विरोधी समूहों और पुलिस के काम में हस्तक्षेप करने से बचना चाहिए।तनावपूर्ण परिस्थितियों में संयम बनाए रखना और सुरक्षा के लिए जारी वैध निर्देशों का पालन करना आवश्यक है।पत्रकार की भूमिका किसी घटना का पक्षकार बनने की नहीं, बल्कि तथ्यों को सामने लाने की है। उसे अपनी रिपोर्टिंग के माध्यम से जनता को यह समझने में सहायता करनी चाहिए कि घटनास्थल पर वास्तव में क्या हुआ, विभिन्न पक्षों की मांगें क्या हैं और प्रशासन की कार्रवाई का स्वरूप क्या है। यही निष्पक्ष पत्रकारिता की बुनियाद है।

भीड़ के बीच सुरक्षा और सतर्कता जरूरी, प्रदर्शन स्थलों पर परिस्थितियाँ कभी भी बदल सकती हैं। शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के दौरान अचानक तनाव बढ़ने, भीड़ के अनियंत्रित होने अथवा प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच टकराव की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका रहती है। ऐसे में पत्रकारों को संभावित टकराव से उचित दूरी बनाए रखनी

चाहिए और अपने आसपास की गतिविधियों पर लगातार नजर रखनी चाहिए।भारतीय प्रेस परिषद ने सलाह दी है कि पत्रकार पुलिस की बैरिकेडिंग, वाहनों अथवा अन्य उपकरणों पर कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण इस प्रकार न लगाएं, जिससे लोगों की आवाजही बाधित हो अथवा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचे। भीड़ के बीच चलते समय सावधानी बरतनी चाहिए, ताकि धक्का लगने, गिरने अथवा भीड़ के पैरों तले कुचले जाने का खतरा कम हो।

रिपोर्टिंग के लिए घटनास्थल पर पहुंचने के बाद सुरक्षित निकास मार्गों की जानकारी प्राप्त करना भी जरूरी है।आसपास के निकास द्वार, खुली सड़कें, फुटपथ और सुरक्षित स्थानों की पहचान आपातकालीन परिस्थितियों में उपयोगी हो सकती है। भीड़ के व्यवहार, शोर में अचानक बदलाव और संभावित टकराव के संकेतों पर ध्यान देना चाहिए।

यदि ऑसू गैस अथवा धुएं का इस्तेमाल होता है,तो पत्रकारों को भीड़ के भीतर आगे बढ़ने के बजाय सुरक्षित रास्ते से प्रभावित क्षेत्र से बाहर निकलना चाहिए। समाचार को सबसे पहले प्रसारित करने अथवा विशिष्ट दृश्य प्राप्त करने की प्रतिस्पर्धा में अपनी सुरक्षा को जोखिम में डालना उचित नहीं है। पत्रकारिता में तत्परता महत्वपूर्ण है, लेकिन जिम्मेदारी और विवेक उससे भी अधिक महत्वपूर्ण हैं।

व्यक्तिगत सुरक्षा और प्राथमिक उपचार की तैयारी: प्रदर्शन स्थलों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को आवश्यक व्यक्तिगत सुरक्षा सामग्री साथ रखनी चाहिए। भारतीय प्रेस परिषद के दिशा-निर्देशों में प्राथमिक उपचार किट, आवश्यक व्यक्तिगत दवाइयाँ, पीने का पानी, अधिक प्रोटीन वाले हल्के खाद्य पदार्थ, टॉर्च, तैलिया अथवा हाथ साफ करने के लिए कपड़ा और आंखों की सुरक्षा के लिए उपयुक्त चश्मा रखने की सलाह दी गई है।

स्वतंत्रता, सुरक्षा और जवाबदेही का संतुलनभारतीय प्रेस परिषद के ये दिशा-निर्देश पत्रकारिता के तीन महत्वपूर्ण पक्षों को रेखांकित करते हैं। पहला, पत्रकारों की व्यक्तिगत सुरक्षा। दूसरा, घटनाओं की निष्पक्ष और तथ्यपरक रिपोर्टिंग। तीसरा, मीडिया संस्थानों तथा संबंधित एजेंसियों के बीच प्रभावी समन्वय।विरोध प्रदर्शन लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनभावनाओं और असहमति को व्यक्त करने का माध्यम हैं। इनकी रिपोर्टिंग के जरिए जनता को विभिन्न पक्षों की बात समझने का अवसर मिलता है। इसलिए पत्रकारों को स्वतंत्र और सुरक्षित वातावरण में काम करने का अवसर मिलना आवश्यक है। साथ ही, पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे अपनी पेशेवर मर्यादा बनाए रखें, तथ्यों की पुष्टि करें और किसी भी पक्ष के प्रति पूर्वाग्रह से बचें।इन दिशा-निर्देशों का महत्व तभी सार्थक होगा, जब पत्रकार, मीडिया संस्थान और संबंधित एजेंसियां अपनी-अपनी जिम्मेदारियों को गंभीरता से निभाएं। मीडिया संस्थानों को अपने पत्रकारों के साथ नियमित संपर्क और आपातकालीन सहायता की व्यवस्था मजबूत करनी चाहिए। पत्रकारों को घटनास्थल पर जोखिम का आकलन करने, सुरक्षित निकास की योजना बनाने और अपुष्ट जानकारी प्रकाशित करने से बचने की आदत अपनानी चाहिए।अंततः लोकतंत्र की मजबूती के लिए स्वतंत्र और विश्वसनीय पत्रकारिता अनिवार्य है। पत्रकार सुरक्षित रहेंगे, समाचारों में तथ्यों की पुष्टि होगी और पेशेवर निष्पक्षता बनी रहेगी, तभी जनता तक घटनाओं की वास्तविक तस्वीर पहुंचेगी। भारतीय प्रेस परिषद के ये दिशा-निर्देश इसी जिम्मेदार पत्रकारिता की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।



हेल्थ अपडेट

दांतों में ठंडा-गर्म लगना या मीठा खाते ही झनझनाहट होना आम समस्या मानी जाती है। कई बार लोग इसे सामान्य संवेदनशीलता समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन यदि किसी एक दांत में बार-बार तेज दर्द हो, खासकर कुछ चबाते समय या चबाने का दबाव हटाते ही चुपन महसूस हो, तो इसके पीछे दांत में आई बारीक दरार भी हो सकती है। ऐसी दरार हमेशा आंखों से दिखाई नहीं देती। समय पर पहचान और उपचार नहीं होने पर समस्या बढ़ सकती है और दांत के अंदरूनी हिस्से को नुकसान पहुंच सकता है।



दांत की परत में छिपा खतरा: दांत बाहर से मजबूत दिखई देते हैं, लेकिन उनका अंदरूनी संरचना संवेदनशील होती है। सबसे बाहरी परत को इनेमल कहते हैं। इसके नीचे डेंटिन और सबसे अंदर डेंटल पल्प होता है, जिसमें नसें और रक्त वाहिकाएं मौजूद रहती हैं। जब दांत में दरार पड़ती है और वह अंदर की परतों तक पहुंचती है, तो ठंडे, गर्म या मीठे पदार्थों के संपर्क में आने पर दर्द

हो सकता है। दरार पर चबाने का दबाव पड़ने से भी दांत के हिस्सों में हल्की हलचल होती है, जिससे अंदर की नसों में उत्तेजना पैदा हो सकती है।

चबाते समय दर्द खास संकेत: अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ एंडोडॉन्टिस्ट्स के अनुसार, दांत में दरार होने पर चबाते समय या दबाव हटाते वक्त अचानक तेज दर्द महसूस हो सकता है। कई बार दर्द कुछ क्षणों में समाप्त हो जाता है, इसलिए व्यक्ति इसे गंभीरता से नहीं लेता। ठंडी चीजों से झनझनाहट भी इसका लक्षण हो सकती है। दरार जितनी गहरी होगी, दांत के अंदरूनी हिस्से के प्रभावित होने का खतरा उतना ही बढ़ सकता है। हालांकि, केवल लक्षणों के आधार पर दरार की पुष्टि नहीं की जा सकती। **लापरवाही पड़ सकती है भारी:** दांत में दरार होने पर कठोर

चीजें चबाने, बर्फ या बहुत सख्त खाद्य पदार्थ तोड़ने और दांतों से पैकेट खोलने जैसी आदतों से बचना चाहिए। यदि दांत में दर्द हो रहा है, तो उस तरफ से चबाने से परहेज करें। घरेलू नुस्खों या दर्द की दवा के सहारे समस्या को लंबे समय तक टालना उचित नहीं है। दंत चिकित्सक जांच के बाद जरूरत के अनुसार दांत की मरम्मत, विशेष आवरण या अन्य उपचार सुझा सकते हैं। उपचार दरार की गहराई और दांत की स्थिति पर निर्भर करता है।

यदि एक ही दांत में बार-बार झनझनाहट हो, चबाते समय तेज दर्द उठे या ठंडा-गर्म खाने के बाद दर्द देर तक बना रहे, तो जल्द दंत चिकित्सक से संपर्क करें। चेहरे या मसूड़ों में सूजन, बुखार अथवा तेज और लगातार दर्द होने पर शीघ्र चिकित्सा सहायता लेना जरूरी है।

निशाना

कभी न जाना पड़े अदालत



रामकिशोर नाविक

रखें सखावत तबे अदावत कभी न जाना पड़े अदालत जारी रखिये मान मनावत नकली उसका सदा लजावत दुख देती है मुई नजाकत किसी गंधे को गले लगा मत जुल्म दिखे तो करें खिलाफत

कंज्यूमर गाइड

घर पहुंचे अनजान कैश ऑन डिलीवरी पार्सल तो घबराएं नहीं, कुछ जरूरी उपायों से सुरक्षा

कल्पना कीजिए कि आपके घर पर अचानक फ्रिज, टीवी या दूसरे महंगे सामान की डिलीवरी होने लगे और हर बार आपसे पैसे मांगे जाएं। आपने न कोई सामान मंगाया है और न ही किसी को ऐसा करने के लिए कहा है। ऐसी स्थिति में परेशान होना स्वाभाविक है, लेकिन जल्दबाजी में भुगतान करना या पार्सल स्वीकार करना जरूरी नहीं है। अनजान पते पर कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी) के ऑर्डर भेजकर किसी को परेशान करना डिजिटल उत्पीड़न का तरीका भी हो सकता है। ऐसे मामलों में कुछ सावधानियां अपनाकर नुकसान से बचा जा सकता है।

अगर आपके घर कोई ऐसा पार्सल पहुंचे, जिसका ऑर्डर आपने नहीं किया है, तो उसे स्वीकार करने से मना कर सकते हैं। डिलीवरी कर्मचारी को स्पष्ट बताएं कि आपने यह सामान नहीं मंगाया है। उससे ऑर्डर को अस्वीकार दर्ज करने के लिए कहें। किसी भी दबाव में आकर सामान लेने या भुगतान करने की जरूरत नहीं है। यदि लगातार कई पार्सल आ रहे हैं, तो हर

घटना की तारीख, समय, सामान और संबंधित कंपनी का विवरण सुरक्षित रखें। **ओटीपी और भुगतान से बचें:** अनजान पार्सल की डिलीवरी के नाम पर कोई व्यक्ति आपसे ओटीपी, बैंक खाते की जानकारी, यूपीआई पिन या अन्य गोपनीय विवरण मांग सकता है। ऐसी जानकारी साझा न करें। डिलीवरी रद्द कराने के नाम पर किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें और न ही कोई ऐप डाउनलोड करें। याद रखें कि यूपीआई पिन भुगतान करने के लिए होता है, पैसे प्राप्त करने के लिए नहीं। यदि किसी भुगतान का अनुरोध आता है, तो उसकी सत्यता जांचे बिना उसे स्वीकार न करें।यदि आपके पते पर बार-बार अनजान कैश ऑन डिलीवरी ऑर्डर पहुंच रहे हैं, तो संबंधित ई-कॉमर्स कंपनी के आधिकारिक ग्राहक सहायता माध्यम से शिकायत दर्ज कराएं। उन्हें बताएं कि आपने सामान नहीं मंगाया है और आपके पते का दुरुपयोग होने की आशंका है। शिकायत संख्या और बातचीत का रिकॉर्ड सुरक्षित रखें। कंपनी से मामले की जांच करने और अनधिकृत ऑर्डर रोकने के लिए उपलब्ध उपायों की जानकारी मांगें। किसी एक पते पर आने वाले सभी सीओडी ऑर्डर रोकने की सुविधा हर कंपनी में उपलब्ध हो, यह जरूरी नहीं है।



वायरल कंटेंट

वंदे भारत में पहली बार बैठा डच यूट्यूबर घूमने वाली सीट देख हुआ हैरान

भारत की वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर करने का अनुभव नीदरलैंड के एक यूट्यूबर के लिए खास बन गया। ट्रेन की आधुनिक सुविधाएं, आरामदायक सीटें और खिड़की से दिखते खूबसूरत नजारे देखकर वह काफी प्रभावित हुआ।

लेकिन जिस सुविधा ने उसका सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वह थी एंजीक्यूटिव क्लास की 180 डिग्री तक घूमने वाली सीट। सीट को खिड़की की तरफ घुमाकर ढलते सूरज का नजारा देखते हुए विदेशी यात्री ने भारतीय रेलवे की तारीफ की। उसका यह अनुभव सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है।

नीदरलैंड के यूट्यूबर पेड्रो मोटा ने अपने यूट्यूब चैनल 'मैडली रोवर' पर वंदे भारत एक्सप्रेस में सफर का वीडियो साझा किया है। वीडियो का शीर्षक 'आई राइड इंडियाज मोस्ट लाजूरियस हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस' है। इसमें वह मुंबई से पुणे तक एंजीक्यूटिव क्लास में यात्रा करते दिखाई देते हैं।

पेड्रो को ट्रेन की सीटें काफी आरामदायक लगीं। उन्होंने दिखाया कि सीट को पीछे की ओर झुकाया जा

सकता है। सबसे दिलचस्प सुविधा सीट को 180 डिग्री तक घुमाने की थी। उन्होंने सीट को खिड़की की तरफ घुमाया और बाहर का नजारा देखने लगे। ढलते सूरज की खूबसूरती ने उनके सफर को और यादगार बना दिया। पेड्रो को घूमने वाली सीट का विचार खास तौर पर पसंद आया। उनके मुताबिक, परिवार या दोस्तों के साथ यात्रा करते समय सीटों को आमने-सामने करके बैठना सुविधानजक हो सकता है।

बातचीत: सफर शुरू होने से पहले पेड्रो की मुलाकात ट्रेन के लोको पायलट से हुई। उन्होंने ट्रेन की रफ्तार और संचालन के बारे में जानकारी ली। वीडियो में बताई गई जानकारी के अनुसार, इस यात्रा में ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 130 किलोमीटर प्रति घंटा रहने वाली थी। पेड्रो ने ब्राइलिंग केबिन में मौजूद आधुनिक नियंत्रण उपकरणों को भी देखा। हालांकि, सुरक्षा कारणों से उन्हें वहां वीडियो बनाने की अनुमति नहीं मिली। पुणे पहुंचने के बाद पेड्रो ने अपनी यात्रा को आरामदायक बताया। उन्हें ट्रेन की सीटें, साफ-सफाई, खानपान और आधुनिक सुविधाएं पसंद आईं।



उल्लेख है। इतना ही नहीं, आज दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर बचत, बैंक ऋण, स्वरोजगार और छोटे उद्यमों के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य परिवारों की नियमित आय बढ़ाना है। आयुष्मान भारत और स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के तहत पत्र परिवारों को अस्पताल में उपचार के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे बीमारी के कारण परिवारों पर पड़ने वाले भारी आर्थिक बोझ को कम करने में मदद मिलती है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने तो गरीब परिवारों की महिलाओं को एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराकर स्वच्छ ईंधन तक पहुंच बनाकर रसोई की तस्वीर तक बदल दी है और इस योजना के कारण आज 10.5 करोड़ से ज्यादा घरों में एलपीजी सिलेंडर पहुंच चुका है।

अंत में यही कहूंगा कि गरीबी उन्मूलन के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पर्याप्त रोजगार, खाद्य एवं स्वास्थ्य सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण और सामाजिक समानता सुनिश्चित करना आवश्यक है; सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाकर तथा स्वरोजगार और कौशल विकास को बढ़ावा देकर लोगों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है, और सरकार व समाज के संयुक्त प्रयासों से ही गरीबी, भुखमरी और असमानता को कम कर एक समतामूलक समाज की निर्माण संभव है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

न्यूज विंडो

तेंदूखेड़ा में रामलीला की धूम, रामायण के प्रसंगों ने मोह्य श्रद्धालुओं का मन



तेंदूखेड़ा। नगर के पीडब्ल्यूडी मैदान में मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय श्रीरामलीला उत्सव का शुभारंभ रात 9 बजे हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेन्द्र सिंह लोधी के भाई सतेंद्र सिंह लोधी ने किया। पहले दिन बाहर से आए कलाकारों ने शंकर विवाह, श्रीराम जन्म, ताड़का वध और अहिल्या उद्धार जैसे प्रसंगों का जीवंत मंचन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आयोजन में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। उत्सव में धनुष यज्ञ, श्रीराम विवाह, वनगमन और केवट प्रसंग का मंचन किया गया। रामायण के प्रसंगों को देखने के लिए दर्शकों में उत्साह नजर आया। राज्यमंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी के प्रयासों से आयोजित यह उत्सव 19 अक्टूबर तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से चलेगा। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष संतकुमार पाल, सांसद प्रतिनिधि ठाकुर भूपत सिंह, राजकुमार ठाकुर, गोविंद यादव आदि मौजूद थे।

मां कात्यायनी की आराधना में गूंजे जयकारे, देवी मंदिरों में उमड़े श्रद्धालु



तेंदूखेड़ा। शारदीय नवरात्रि के छठवें दिन नगर के तहसील खेरमाता मंदिर सहित विभिन्न देवी मंदिरों और पूजा पंडालों में मां कात्यायनी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी। शाम की आरती में भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए। माता के जयकारों से देवी स्थल भक्तिमय हो उठे। पंडित गोपाल शास्त्री ने बताया कि नवरात्रि के छठवें दिन मां दुर्गा के कात्यायनी स्वरूप की उपासना की जाती है। मां कात्यायनी को अमोघ फलदायिनी माना गया है। मान्यता है कि उनकी आराधना से सुख-समृद्धि प्राप्त होती है और भय व कष्ट दूर होते हैं। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने माता को श्रृंगार सामग्री और शहद का भोग अर्पित किया। भक्तों ने स्तुति मंत्र का जाप कर परिवार की सुख-शांति और खुशहाली की कामना की।

बम्हैरी पांजी में मां दुर्गा के दरबार में उमड़ी श्रद्धा, जयकारों से गूंज रहा मंदिर परिसर



तेंदूखेड़ा। नगर से करीब दो किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बम्हैरी पांजी के तिराहे पर स्थित मां दुर्गा का मंदिर नवरात्रि में श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मंदिर प्रांगण में विराजित मां दुर्गा की प्रतिमा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंच रहे हैं। श्रद्धालु माता के दरबार में मंत्रा टेककर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना कर रहे हैं। नवरात्रि के दौरान मंदिर में सुबह और शाम होने वाली आरती में ग्रामीणों की अच्छी-खासी सहभागिता देखने को मिल रही है। आरती के समय मां दुर्गा के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठता है। ग्रामीण श्रद्धा और भक्ति के साथ माता की आराधना कर रहे हैं। पर्व के चलते मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। नवरात्रि के अवसर पर गांव में धार्मिक उत्साह और भक्ति का माहौल बना हुआ है।

1100 दीपों की रोशनी में गुंजे मां आदिशक्ति के जयकारे, महाआरती में उमड़े भक्त



तेंदूखेड़ा। शारदेय नवरात्र के अवसर पर नगर में मां आदिशक्ति की भक्ति का माहौल बना हुआ है। सेवा सहकारी बैंक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर स्थित देवी पंडालों में भव्य महाआरती का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। माता का आकर्षक श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया गया। आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। सेवा सहकारी बैंक परिसर में पंचमी तिथि पर थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक बृजेश तिवारी ने 1100 दीप प्रज्वलित कर महाआरती की। वहीं, षष्ठी तिथि पर शुक्रवार को पंडित यशवंत त्रिपाठी ने मां आदिशक्ति की महाआरती कराई। नवरात्र की पंचमी पर मां स्कंदमाता और षष्ठी पर मां कात्यायनी की पूजा की गई। दोनों पंडालों में माता के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो उठा। देर शाम तक श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए पहुंचते रहे।

नए अस्पताल भवन में जल्द शुरू होंगी स्वास्थ्य सेवाएं, हेल्थ कमिशनर ने दिए निर्देश

बाउंड्रीवॉल, प्रवेश द्वार और पोस्टमार्टम कक्ष के निर्माण का एस्टीमेट जल्द भेजने को कहा, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गंजबासोदा। दोपहर मेट्रो

नवनिर्मित सिविल अस्पताल भवन में स्वास्थ्य सेवाएं शुरू करने की तैयारियों को गति देने के लिए हेल्थ कमिशनर धनराजू एस. ने अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए शेष निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान हेल्थ कमिशनर ने अस्पताल परिसर में बाउंड्रीवॉल, आवागमन के लिए प्रवेश द्वार और पोस्टमार्टम कक्ष के निर्माण को जरूरी बताते हुए इन कार्यों के एस्टीमेट जल्द



तैयार कर भेजने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि आवश्यक प्रक्रियाओं में तेजी लाई जाए, ताकि निर्माण कार्यों में अनावश्यक देरी न हो और नवनिर्मित भवन में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। बाउंड्रीवॉल और गेट बनने से

अस्पताल परिसर की सुरक्षा तथा आवागमन व्यवस्था बेहतर होगी। वहीं, पोस्टमार्टम कक्ष का निर्माण पूरा होने से संबंधित सुविधाओं के संचालन में मदद मिलेगी। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अनुभाू जैन, डॉ. रविंद्र चिड़ार, डॉ. महेंद्र बाजोरिया, डॉ.

अतुल जैन सहित अस्पताल का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। अधिकारियों को आवश्यक निर्माण कार्यों की प्रक्रिया प्राथमिकता से आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

नवनिर्मित सिविल अस्पताल भवन में स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारु संचालन के लिए परिसर की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए हेल्थ कमिशनर धनराजू एस. ने बाउंड्रीवॉल और आवागमन के लिए प्रवेश द्वार के निर्माण पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को दोनों कार्यों का एस्टीमेट जल्द तैयार कर भेजने के

निर्देश दिए। बाउंड्रीवॉल बनने से अस्पताल परिसर की सुरक्षा व्यवस्था बेहतर बनाने में मदद मिलेगी, जबकि प्रवेश द्वार बनने से मरीजों, परिजनों और अन्य लोगों के आवागमन को व्यवस्थित किया जा सकेगा। इन कार्यों को समय पर पूरा करने के लिए निर्माण प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा गया। अस्पताल परिसर में पोस्टमार्टम कक्ष का निर्माण भी निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुद्दा रहा। हेल्थ कमिशनर ने इसके निर्माण के लिए आवश्यक एस्टीमेट जल्द तैयार कर भेजने के निर्देश दिए, ताकि आगे की प्रक्रिया समय पर पूरी हो सके।

खेल-खेल में गई 12

वर्षीय पिंकी की जान, छोटी

बहन के सामने हुआ हादसा

माता-पिता खेत पर गए थे पुलिस ने मर्ग कायम कर शुरू की जांच

अशोकनगर/पिपरई। दोपहर मेट्रो

जिले के पिपरई थाना क्षेत्र के खोरीबरी गांव में खेल के दौरान हुए हादसे में 12 वर्षीय बालिका की मौत हो गई। घटना के समय बालिका अपनी छोटी बहन के साथ घर पर थी, जबकि माता-पिता फसल कटाई के लिए खेत पर गए हुए थे। हादसे के बाद परिवार में शोक छा गया।

जानकारी के अनुसार, खोरीबरी निवासी पिंकी प्रजापति, पिता हलकई प्रजापति, अपनी छोटी बहन तनु के साथ घर पर खेल रही थी। इसी दौरान खेलते समय उसने फांसी लगाने का खेल खेलने की बात कही। बताया गया कि उसने घर के छपर की लकड़ी में रस्सी बांधी और अपने गले में फंदा डाल लिया। फंदा कसने पर वह चिल्लाने लगी।

बड़ी बहन को इस हालत में देखकर छोटी बहन घबरा गई। वह तुरंत खेत पर पहुंची और माता-पिता को घटना की जानकारी दी। परिजन घर पहुंचे, लेकिन तब तक पिंकी की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पिपरई पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

स्वास्थ्य, राजस्व विभाग की संयुक्त जांच, रिपोर्ट कलेक्टर को भेजी

झोलाछाप क्लीनिकों पर स्वास्थ्य विभाग की

दबिश, छह बंद मिलीं, संचालकों को नोटिस

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले में अनाधिकृत रूप से संचालित क्लीनिकों के खिलाफ कार्रवाई के तहत तेजगढ़ सेक्टर में स्वास्थ्य विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने जांच अभियान चलाया। निरीक्षण के दौरान छह क्लीनिक बंद मिलीं, जबकि तीन क्लीनिकों में ड्रिग्री और रजिस्ट्रेशन संबंधी दस्तावेज वैध पाए गए। बंद क्लीनिकों के संचालकों को नोटिस जारी कर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

कार्रवाई मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदूखेड़ा के माध्यम से की गई। जांच दल में नायब तहसीलदार चंद्रशेखर शिलपी, बीएमओ डॉ. अशोक बरौनियां, पटवारी इंद्रपाल विश्वकर्मा, फार्मासिस्ट दिनेश अवस्थी और पुलिस बल शामिल रहा। टीम ने



क्लीनिकों के संचालन और चिकित्सकीय दस्तावेजों की जांच की।

3 क्लीनिकों के दस्तावेज वैध

जबलपुर रोड स्थित डॉ. महेंद्र जैन के ईशान क्लीनिक, डॉ. शिवम सोनी के सोमी क्लीनिक और तेजगढ़ बस स्टैंड स्थित डॉ. नरेंद्र नामदेव की क्लीनिक में ड्रिग्री एवं रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज वैध पाए गए। जांच में साहू मोहल्ला में नीलेश साहू और खुमान सिंह लोधी की क्लीनिक, सरस्वती शिशु मंदिर रोड पर पीके विश्वास की क्लीनिक, पतलौनी तिगड़ा में

आजाद खान की क्लीनिक, थाने के पीछे हलीम खान की क्लीनिक और चौधरी दत्ताखाना बंद मिले। खुमान सिंह लोधी के पास जन स्वास्थ्य रक्षक का प्रमाण पत्र मिला। उन्हें समझाइश देकर क्लीनिक बंद करने के निर्देश दिए गए। बीएमओ डॉ. अशोक बरौनियां के अनुसार, बंद क्लीनिकों के संचालकों को नोटिस देकर ड्रिग्री और रजिस्ट्रेशन के दस्तावेज कार्यालय में प्रस्तुत करने को कहा गया है। जांच रिपोर्ट कलेक्टर दमोह को भेज दी गई है। अधिकारियों ने नियमानुसार कार्रवाई की बात कही है।

मेट्रो एंकर

प्राचीन गुफाएं, शैलचित्र और सरोवर बढ़ाते हैं धाम की महत्ता, नवरात्र में लगता है मेला, दूर-दूर से आते हैं श्रद्धालु

माता चुनोटिया का चमत्कारी धाम, 25 साल से अखंड ज्योति प्रज्वलित

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बुंदेलखंड की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के बीच हरई-सिंगौरगढ़ क्षेत्र के घने जंगलों में स्थित माता चुनोटिया का प्राचीन धाम श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यहां सच्चे मन से मांगी गई मनोती से भक्तों की समस्याओं का समाधान होता है। मंदिर परिसर में पिछले 25 वर्षों से अखंड ज्योति प्रज्वलित है।

मान्यता है कि प्रारंभ में माता प्राकृतिक स्वरूप में वृक्ष के नीचे विराजमान थीं। बाद में ग्रामीणों ने यहां मंदिर का निर्माण कराया। धाम के आसपास स्थित सरोवर, प्राचीन गुफाएं और शैलचित्र क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को दर्शाते हैं।



शारदेय और चैत्र नवरात्र में यहां विशेष धार्मिक आयोजन होते हैं। जवारे बोनो की परंपरा के साथ नवमी पर गुरैया नदी में जवारे विसर्जित किए जाते हैं। इस दौरान दो दिवसीय मेले में आसपास के गांवों सहित दूर-दराज से हजारों

श्रद्धालु पहुंचते हैं। पिछले 25 वर्षों से बाबा कोमल शाह मंदिर की सेवा और देखरेख कर रहे हैं। हालांकि, घने जंगलों में स्थित होने के कारण श्रद्धालुओं को धाम तक पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

मनोती के लिए पेड़ों पर बांधते हैं आस्था

माता चुनोटिया धाम से जुड़ी स्थानीय मान्यताएं श्रद्धालुओं के बीच विशेष महत्व रखती हैं। मान्यता है कि किसी व्यक्ति की वस्तु या गाय-भैंस जैसे पशु खो जाने पर वह मंदिर परिसर में स्थित भिरा और बेल के पेड़ के पास मनोती मांगता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इससे उनकी समस्या का समाधान होता है। इसी आस्था के चलते बड़ी संख्या में लोग अपनी मनोकामनाएं लेकर यहां पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में मौजूद दो प्राचीन वृक्षों को भी श्रद्धा का प्रतीक माना जाता है। वर्षों से चली आ रही ये परंपराएं धाम की धार्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

गुफाएं और शैलचित्र समेटे हैं पुरानी विरासत

माता चुनोटिया का धाम केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक और सांस्कृतिक विशेषताओं के लिए भी जाना जाता है। यह मंदिर घने वन क्षेत्र में स्थित बंकागढ़ धाम का हिस्सा है। आसपास मौजूद सरोवर, प्राचीन गुफाएं और शैलचित्र इस क्षेत्र की पुरातात्विक महत्ता की ओर ध्यान आकर्षित करते हैं। मंदिर की प्राचीनता के स्पष्ट ऐतिहासिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन स्थानीय मान्यताओं में इसे प्राचीन स्थल माना जाता है। नवरात्र के दौरान यहां जवारे को भेज और नवमी पर गुरैया नदी में विसर्जन की परंपरा निभाई जाती है। दो दिवसीय मेले में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है।

न्यूज विंडो

मोबाइल-रील्स से मैदान तक लाएगा ‘चिल्ड्रन गार्डन’, लालबाग में बनेगा जायंट चेस बोर्ड



धार। मोबाइल, वीडियो गेम और रील्स की दुनिया में व्यस्त बच्चों को मैदान से जोड़ने के लिए शहर के लालबाग उद्यान में आधुनिक ‘चिल्ड्रन गार्डन’ बनाया जाएगा। लालबाग पिकनिक स्पॉट के पीछे करीब 73 लाख रुपए की लागत से बनने वाले इस उद्यान का भूमिपूजन विधायक नीना वर्मा और नगरपालिका अध्यक्ष नेहा बोडाने ने किया। कार्यक्रम में सीएमओ कु. विश्वनाथ सिंह सहित नगरपालिका के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे। विधायक नीना वर्मा ने कहा कि चिल्ड्रन गार्डन बच्चों को मोबाइल स्क्रीन से दूर कर शारीरिक गतिविधियों और बौद्धिक खेलों से जोड़ने में मददगार होगा। यहां शतरंज सहित विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को तार्किक सोच, एकाग्रता और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने पर जोर रहेगा। नगरपालिका अध्यक्ष नेहा बोडाने ने इसे बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। विधायक ने अधिकारियों को निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

लोकायुक्त जांच में फिरोज की 38 संपत्तियां उजागर, बाजार मूल्य 35.46 करोड़ पहुंचा

इंदौर। पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय में पदस्थ प्रधान आरक्षक (चालक) फिरोज खान की संपत्तियों की लोकायुक्त जांच में नए खुलासे हुए हैं। शुरुआती जांच में सामने आई 33 अचल संपत्तियों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है। इनका अनुमानित बाजार मूल्य 35.46 करोड़ रुपए आंका गया है, जबकि सरकारी गाइडलाइन के अनुसार कीमत करीब 12.97 करोड़ रुपए है।



लोकायुक्त पुलिस ने 14 अक्टूबर को फिरोज खान के ठिकानों पर सर्च कार्रवाई की थी। इसके बाद राजस्व, रजिस्ट्रार और नगर निगम सहित विभिन्न विभागों से दस्तावेज जुटाए जा रहे हैं। जांच में परिवार, सहयोगियों और फर्मों के नाम पर संपत्तियां सामने आई हैं। अधिकारियों के अनुसार, देवास के राजोदा में

रोशनी वर्मा के नाम कृषि भूमि, शक्ति नगर में साहिल ट्रेडिंग कंपनी का प्लॉट, शालीमार कॉलोनी में नफीस खान के नाम प्लॉट और लोहाना में रानु कुशवाह के नाम कृषि भूमि का रिकॉर्ड मिला है। जांच में सांवेर रोड की करीब 9 करोड़ रुपए मूल्य की जमीन के सौदे से जुड़ा दस्तावेज भी मिला है, जिसमें फिरोज खान गवाह बताए गए हैं। लोकायुक्त अब संपत्तियों के खरीद दस्तावेजों और भुगतान के स्रोत की पड़ताल कर रही है।

ज्यादा ब्याज से परेशान होकर मंदिर में कसम खाई, कुल्हाड़ी से उतारा मौत के घाट



पुरुषोत्तम गर्जर

ग्वालियर। झांसी रोड थाना क्षेत्र के केदारपुर में पुरुषोत्तम गुर्जर (35) की हत्या के मामले में पुलिस ने 72 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, उधार की रकम और भारी ब्याज को लेकर विवाद हत्या की वजह बना। आरोप है कि वारदात से पहले चारों आरोपी शीतला माता मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने हत्या की कसम खाई और आशीर्वाद लिया। पुलिस के मुताबिक, 13 अक्टूबर की रात रमन गुर्जर हिसाब करने के बहाने पुरुषोत्तम को भागीरथ गुर्जर के खेत में ले गया। वहां पहले से मौजूद राधाकृष्ण गुर्जर, छोटू उर्फ राहुल और विजय उर्फ खैरी ने कुल्हाड़ी से मारकर उसकी हत्या कर दी। अगले दिन खेत में शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने जांच शुरू की। मौके से मिली 3.32 लाख रुपये के हिसाब वाली पर्ची से पुलिस को अहम सुराग मिला। एसएस्पी धर्मवीर सिंह ने बताया कि ब्याज को लेकर अनबन के चलते वारदात हुई। गिरफ्तार आरोपियों में रमन, राधाकृष्ण, राहुल और विजय शामिल हैं। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने सुनीं 263 लोगों की समस्याएं



नरसिंहपुर। पूर्व राज्यमंत्री एवं नरसिंहपुर के पूर्व विधायक जालम सिंह पटेल ने विधायक निवास पर लोगों की समस्याएं सुनीं। जिलेभर से पहुंचे नागरिकों ने अपनी परेशानियों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इस दौरान कुल 263 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागों को कार्रवाई के लिए भेजा गया। इस दौरान पटेल ने आवेदकों की बात सुनकर संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली और समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए भटकना नहीं पड़े, इसके लिए जनप्रतिनिधियों को तत्परता से कार्य करना चाहिए। पटेल के अनुसार, कई लोग अपनी समस्याएं लेकर संपर्क नहीं कर पाते। ऐसे लोगों को अपनी बात रखने का अवसर देने के उद्देश्य से प्रत्येक गुरुवार जनसुनवाई आयोजित की जाती है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास पर खरा उतरना और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास करना जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है।

सिंहरथ की जमीन पर बनी चार मंजिला बिल्डिंग पर चला बुलडोजर

महामंडलेश्वर ज्योतिगिरी के हरियाणा आश्रम का करीब 8 हजार वर्गफीट नया निर्माण ध्वस्त

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत नगर निगम ने नृसिंह घाट रोड स्थित हरियाणा आश्रम के चार मंजिला रिसोर्टनुमा नए निर्माण को ढहा दिया। सिंहस्थ क्षेत्र में बिना अनुमति बने करीब 8 हजार वर्गफीट के निर्माण पर सुबह 6 बजे से पोकलेन मशीन चलाकर कार्रवाई की गई। आश्रम का पुराना हिस्सा हालांकि बरकरार रखा गया।

यह आश्रम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर ज्योतिगिरी का है। कार्रवाई के दौरान वे आश्रम में मौजूद नहीं थे और दिल्ली में थे। आश्रम में



आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कराई जाती है। आश्रम की ओर से भवन के दूसरी तरफ लगे

वाटर सॉफ्टनर को नहीं तोड़ने का अनुरोध किया गया था, लेकिन निगम की टीम ने उसे भी हटा दिया। नगर निगम के अपर आयुक्त सिंहस्थ

संतोष टैगोर ने बताया कि सिंहस्थ क्षेत्र में बिना अनुमति हुए निर्माण और अतिक्रमण हटाकर मेले के आयोजन के लिए जरूरी भूमि उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने संकेत दिए कि सूची में शामिल अन्य निर्माणों पर भी आगे कार्रवाई होगी। सिंहस्थ-2028 में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए प्रशासन सड़क, पार्किंग और अन्य व्यवस्थाओं के लिए भूमि खाली करा रहा है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में करीब 170 अवैध निर्माण और अतिक्रमण शेष हैं।

माधवानंद आश्रम पर भी हो चुकी है कार्रवाई

सिंहस्थ क्षेत्र में अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई पहले भी हो चुकी है। 21 सितंबर को लालखुल ब्रिज मार्ग स्थित माधवानंद आश्रम के बिना अनुमति किए गए पक्के निर्माण को नगर निगम ने ध्वस्त किया था। उस कार्रवाई में दो पोकलेन मशीनों और एक जेसीबी की मदद ली गई थी। अब हरियाणा आश्रम के नए निर्माण को हटाया गया है। प्रशासन का उद्देश्य सिंहस्थ-2028 के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही, सड़कों, पार्किंग और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए पर्याप्त जगह उपलब्ध कराना है।

गाडरवारा को मिली 16 डॉक्टरों की सौगात, ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी मजबूती कैबिनेट मंत्री उदय प्रताप सिंह की पहल पर सालेचौका, साईखेड़ा, चीचली और गाडरवारा के स्वास्थ्य केंद्रों में होगी तैनाती नरसिंहपुर/गाडरवारा। दोपहर मेट्रो

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकों की कमी दूर करने और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र को 16 चिकित्सकों की नियुक्ति की सौगात मिली है। प्रदेश सरकार ने बांड की शर्तों की पूर्ति के तहत इन चिकित्सकों की पदस्थापना की है। इस पहल से क्षेत्र के लोगों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में की गई इस पदस्थापना के तहत सीएचसी सालेचौका में पांच, सीएचसी साईखेड़ा में पांच, सीएचसी चीचली में एक और गाडरवारा स्वास्थ्य केंद्र में पांच चिकित्सक नियुक्त किए गए हैं। इनमें से 12 चिकित्सक ज्वाइन कर चुके हैं, जबकि शेष चार के जल्द उपलब्ध होने की जानकारी दी गई है। परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की पहल पर उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा इस संबंध में विशेष आदेश जारी किया गया। नियुक्तियों का उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है। चिकित्सकों की संख्या बढ़ने से स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार की सुविधाएं मजबूत होंगी और मरीजों को इलाज के लिए दूर जाने की परेशानी कम होने की उम्मीद है। इस निर्णय पर क्षेत्रीय नागरिकों ने हर्ष जताते हुए आभार व्यक्त किया है।

भिंड-इटावा नेशनल हाईवे पर अटेर तिराहे के पास हादसा, टक्कर के बाद चालक फरार

हाईवे पर काल बना कैटर, सब्जी लेकर घर लौट रहे 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

भिंड। दोपहर मेट्रो

फूफ थाना क्षेत्र में भिंड-इटावा नेशनल हाईवे-719 पर आज सुबह सड़क हादसे में 70 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई। अटेर तिराहे के पास सब्जी लेकर घर लौट रहे सतीश चंद्र जैन को पीछे से आए कैटर ने टक्कर मार दी। हादसा इतना गंभीर था कि उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में शोक छा गया।

जानकारी के अनुसार, फूफ के वार्ड क्रमांक 12 निवासी सतीश चंद्र जैन पुत्र उग्रसेन जैन शनिवार सुबह करीब 10:30 बजे सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान कैटर क्रमांक एमपी 07 जेडई 8582 ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे की सूचना मिलने पर स्वजन घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों के अनुसार, सतीश चंद्र जैन घर के सामने सब्जी ले रहे थे, तभी यह दुर्घटना हुई।

मृतक के दो बेटे मनीष जैन और पारस जैन हैं। परिवार का किराना व्यापार भी है। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। टक्कर के बाद कैटर



घर के सामने सब्जी लेते समय हुआ हादसा

परिजनों के अनुसार, सतीश चंद्र जैन शनिवार सुबह सब्जी लेकर घर लौट रहे थे। घर के सामने सब्जी लेते समय कैटर ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सतीश चंद्र जैन के दो बेटे मनीष जैन और पारस जैन हैं। परिवार किराना व्यापार से जुड़ा है। दुर्घटना की खबर मिलते ही स्वजन घटनास्थल पर पहुंचे। परिवार के सदस्य अचानक हुई इस घटना से सदमे में हैं। हादसे के बाद दोनों बेटों सहित अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना से क्षेत्र में भी शोक का माहौल है।

चालक मौके से भाग निकला। सूचना मिलने पर फूफ थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चालक को पकड़ लिया और कैटर जब्त कर लिया। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

टीआई छत्रपाल सिंह तोमर ने बताया कि हाईवे पर सब्जी लेकर घर जा रहे बुजुर्ग को कैटर चालक ने टक्कर मारी थी। हादसे में उनकी मौत हो गई। चालक को पकड़कर वाहन जब्त कर लिया गया है।

गर्मी से पहले पेयजल संकट पर प्रशासन अलर्ट, बंद योजनाएं तत्काल होंगी शुरू

कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने अधिकारियों को दिए बहुस्तरीय कार्ययोजना बनाने के निर्देश

धार। दोपहर मेट्रो

जिले में आगामी समय में पेयजल संकट की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर राजीव रंजन मीना ने अधिकारियों को पेयजल स्रोतों की उपलब्धता और स्थिति का आकलन कर बहुस्तरीय कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पेयजल आपूर्ति सर्वोच्च प्राथमिकता है। जिन क्षेत्रों में पानी की किल्लत होने की आशंका है, वहां समय रहते वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को परेशानी का सामना न करना पड़े।

कलेक्टर कार्यालय के वीसी कक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में पेयजल स्रोतों की स्थिति की समीक्षा



करने को कहा गया। साथ ही ग्राम पंचायत सचिवों की बैठक लेकर बंद पड़ी पेयजल योजनाओं की जानकारी जुटाने और उन्हें तत्काल शुरू कराने के निर्देश दिए गए। योजनाओं के संचालन में आ रही बाधाओं को चिह्नित कर उनके निराकरण के लिए समयसीमा तय करने पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने पेयजल व्यवस्था की नियमित निगरानी करने और जरूरत के अनुसार समय रहते कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संभावित संकट से निपटने के लिए विभागों के

बीच समन्वय जरूरी है, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता बनाए रखी जा सके। जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए कलेक्टर ने किसानों को कम पानी में बेहतर उत्पादन देने वाली फसलों की खेती के लिए प्रेरित करने को कहा। अधिकारियों को किसानों से संवाद कर जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए गए। कृषि में पानी की खपत कम होने से पेयजल स्रोतों पर दबाव घटाने में भी मदद मिल सकती है।

मां की आराधना के साथ मानव सेवा शिविर में 90 लोगों ने किया रक्तदान

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

नवरात्रि पर्व पर जहां ग्राम धुबघट में मां दुर्गा की आराधना और धार्मिक आयोजनों की धूम है, वहीं समाजसेवा की गतिविधियों के जरिए मानवता का संदेश भी दिया जा रहा है। दुर्गा उत्सव समिति ग्राम धुबघट के तत्वावधान में रक्त जांच एवं रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इसमें ग्रामीणों ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए रक्तदान किया। खास बात यह रही कि युवाओं के साथ महिलाओं ने भी आगे आकर रक्तदान कर सामाजिक जिम्मेदारी निभाने का संदेश दिया।

आयोजकों के अनुसार, शिविर में करीब 70 युवाओं और 20 महिलाओं सहित कुल 90 लोगों ने रक्तदान किया। इस पहल का उद्देश्य रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना और जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता में सहयोग करना रहा। शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को यह

संदेश दिया गया कि धार्मिक आस्था के साथ मानव सेवा भी उत्सव का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में शामिल समाजसेवी अनुज प्रताप सिंह और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र सिंह नागेश ने आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों के साथ जनजागरूकता और समाजसेवा से जुड़ी गतिविधियां करना सकारात्मक पहल है। ऐसे कार्यक्रम समाज में सहयोग, संवेदनशीलता और सेवा की भावना को मजबूत करते हैं। आयोजन समिति ने रक्तदाताओं, अतिथियों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि ग्राम धुबघट में हर वर्ष नवरात्रि के दौरान धार्मिक कार्यक्रमों के साथ रचनात्मक और सेवाभावी गतिविधियां भी आयोजित की जाती हैं, ताकि उत्सव के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सके।

एटीएम में तोड़फोड़, चोरी के प्रयास के नहीं मिले सबूत, आरोपी दोषमुक्त

नरसिंहपुर। एटीएम में तोड़फोड़ और चोरी के प्रयास से जुड़े मामले में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी धर्मेद नागवंशी की अदालत ने आरोपी गबूल श्रीवास्तव को दोषमुक्त कर दिया है। मामला सुआतला थाना क्षेत्र की बरमान पुलिस चौकी से संबंधित है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धारा 457, 511 और 427 के तहत प्रकरण दर्ज कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया था। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के तर्कों और साक्ष्यों के परीक्षण के बाद अदालत ने आरोपी को सभी संबंधित आरोपों से मुक्त कर दिया। आरोपी की ओर से अधिवक्ता आकाश दुबे ने पैरवी की।

डीसी को बड़ा झटका! मिचेल ने खेलने पर नहीं लिया फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी



इंडियन प्रीमियर लीग 2027 से पहले दिल्ली कैपिटल्स की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने अगले सत्र में खेलने को लेकर अभी अंतिम फैसला नहीं किया है। हालिया रिपोर्टों के मुताबिक, स्टार्क टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देते हुए अपने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम और शारीरिक फिटनेस को ध्यान में रखकर निर्णय लेना चाहते हैं। ऐसे में दिल्ली की टीम को अपने प्रमुख तेज गेंदबाज की उपलब्धता के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। स्टार्क अपने करियर में कई बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आराम को प्राथमिकता दे चुके हैं। वह 2016 से 2023 तक आईपीएल में नहीं खेले थे। इस दौरान उन्होंने फिटनेस बनाए रखने, मानसिक रूप से तरोताजा रहने और परिवार के साथ समय बिताने पर ध्यान दिया। वर्ष 2024 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ लीग में वापसी की और बाद में दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ गए। अब 2027 के सत्र में उनकी भागीदारी को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

चाइना ओपन जीतने के बाद झेंग किनवेन को बड़ा झटका!

कंधे की चोट ने रोकी रफ्तार, जापान ओपन से हटने का फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी



चीन की स्टार टेनिस खिलाड़ी झेंग किनवेन को कंधे की चोट के कारण एक और बड़ा टूर्नामेंट छोड़ना पड़ा है। चाइना ओपन का खिताब जीतकर शानदार वापसी करने वाली झेंग अब जापान ओपन में हिस्सा नहीं लेंगी। इससे पहले वह वुहान ओपन से भी अपना नाम वापस ले चुकी थीं। लगातार मुकाबलों और चोट से वापसी के बाद शरीर पर बढ़ते दबाव को इस फैसले की प्रमुख वजह माना जा रहा है।

झेंग ने हाल ही में चाइना ओपन का खिताब जीतकर अपने करियर की बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह इस टूर्नामेंट को जीतने वाली पहली चीनी खिलाड़ी बनीं। उन्होंने प्रतियोगिता में वाइल्डकार्ड के जरिए प्रवेश किया और शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब अपने नाम किया। खिताबी सफर के दौरान झेंग ने क्वार्टर फाइनल में एलिना स्वितोलिना, सेमीफाइनल में एलिस मर्टेंस और फाइनल में मीरा एंड्रिवा को हराया। सात मुकाबलों में उन्होंने कुल 15 सेट और 16 मिनट कोर्ट पर बिताए। यह लंबा कार्यक्रम उनकी शारीरिक क्षमता की बड़ी परीक्षा साबित हुआ।

वुहान ओपन छोड़ते समय जताया था दुख

झेंग ने वुहान ओपन से हटने की घोषणा करते हुए निराशा जाहिर की थी। वुहान उनके गृहक्षेत्र से जुड़ा है और उनके टेनिस करियर में इस शहर का खास महत्व रहा है। उन्होंने कहा था कि वह अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलने के लिए हमेशा उत्साहित रहती हैं। चोट से वापसी के बाद पिछले डेढ़ महीने में उन्होंने अमेरिकी ओपन, बिली जीन किंग कप और चाइना ओपन जैसे महत्वपूर्ण मुकाबलों में हिस्सा लिया था। झेंग के अनुसार, लगातार कठिन मैच खेलने के बाद उनका शरीर काफी थक गया था। ऐसे में आराम करना जरूरी हो गया। टोरंटो में क्वालीफाईंग मुकाबले में हार के बाद झेंग ने अपने अगले 14 दूर स्तर के मैचों में से 13 जीते। इस शानदार प्रदर्शन ने उनके हालिया फॉर्म को मजबूत किया था। हालांकि, कंधे की परेशानी ने उनकी आगे की योजनाओं पर असर डाला है।

अब हांगकांग ओपन पर रहेंगी निगाहें

झेंग के लिए अब नवंबर में होने वाला डब्ल्यूटीए 250 प्रुडेंशियल हांगकांग टेनिस ओपन महत्वपूर्ण हो सकता है। हालांकि, उनकी वापसी चोट से उबरने और फिटनेस की स्थिति पर निर्भर करेगी। फिलहाल चीनी स्टार के लिए प्राथमिकता कंधे को पूरी तरह ठीक करना और बिना जल्दबाजी के कोर्ट पर लौटना है। चाइना ओपन की ऐतिहासिक जीत के बाद अब उनके प्रशंसकों को उनकी वापसी का इंतजार रहेगा।

भारत-वेस्टइंडीज के बीच निर्णायक टी20 मुकाबले पर मौसम का साया

बेंगलुरु में बारिश बिगाड़ सकती है भारत का खेल चौबीस साल बाद इतिहास रचने उतरेगी वेस्टइंडीज

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और वेस्टइंडीज के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का निर्णायक मुकाबला शनिवार को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। सीरीज 2-2 से बराबर है और दोनों टीमों की नजरें खिताब अपने नाम करने पर हैं। लेकिन मुकाबले से पहले मौसम ने टीम इंडिया की चिंता बढ़ा दी है। मौसम विभाग ने बारिश और गरज-चमक की आशंका जताई है। ऐसे में निर्णायक मुकाबले में बारिश सबसे बड़ी बाधा बन सकती है। अगर मैच प्रभावित होता है, तो दोनों टीमों की रणनीति पर इसका सीधा असर पड़ेगा। वहीं, वेस्टइंडीज के पास भारत में 24 साल बाद किसी भी प्रारूप की द्विपक्षीय सीरीज जीतने का मौका है। आईएमडी के अनुसार, शनिवार को बेंगलुरु में आसमान में बादल छाए रहने और बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने के एक-दो दौर आने की संभावना है। विभाग ने आकाशीय बिजली के साथ तूफान की चेतावनी भी दी है। शहर में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री और अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

वहीं, बीबीसी की प्रति घंटा मौसम रिपोर्ट के अनुसार, शाम होते-होते बारिश की संभावना बढ़ सकती है। शाम 5 बजे बारिश की आशंका 66 प्रतिशत, 6 बजे 68 प्रतिशत और 7 बजे 69 प्रतिशत बताई गई है। रात 8 और 9 बजे यह संभावना 70 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। रात 10 बजे भी बारिश की आशंका 69 प्रतिशत है। ऐसे में मुकाबले के निर्धारित समय के आसपास बारिश होने की आशंका बनी हुई है। हालांकि, मौसम पूर्वानुमान के आधार पर यह निश्चित नहीं कहा जा सकता कि पूरा मैच धुल जाएगा। बारिश की अवधि और मैदान की स्थिति ही तय करेगी कि मुकाबला समय पर शुरू होगा या इसमें देरी होगी।

वया बारिश धुलवा देगी पूरा मैच?



बारिश के कारण मैच रुकने की आशंका जरूर है, लेकिन बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की जल निकासी व्यवस्था मैदान से पानी निकासने में मदद कर सकती है। हल्की या कुछ समय की बारिश के बाद मैदान खेलने लायक होने पर मुकाबला दोबारा शुरू कराया जा सकता है। हालांकि, लगातार बारिश होने पर ओवर घटाने पड़ सकते हैं और मैच का परिणाम निकालना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सीरीज बराबर होने के कारण दोनों टीमों निर्णायक मुकाबला खेलना चाहेगी। ऐसे में मैदान की स्थिति, बारिश रुकने का समय और मैच अधिकारियों का आकलन अहम होगा। यदि मुकाबला प्रभावित होता है, तो परिणाम तय करने के लिए निर्धारित नियम लागू होंगे। लगातार बारिश के कारण खेल संभव नहीं होने पर मैच बेनतीजा भी रह सकता है।

24 साल बाद भारत में सीरीज जीतने का मौका

वेस्टइंडीज ने वर्ष 2002 के बाद से भारतीय जमीन पर किसी भी प्रारूप की द्विपक्षीय सीरीज नहीं जीती है। ऐसे में शनिवार का मुकाबला उसके लिए इतिहास बदलने का अवसर है। पांच मैचों की सीरीज 2-2 से बराबर होने के कारण दोनों टीमों के लिए यह मुकाबला निर्णायक है। भारतीय टीम घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी, जबकि वेस्टइंडीज की कोशिश लंबे समय से चले आ रहे इंतजार को खत्म करने की होगी। हालांकि, बारिश की आशंका ने इस मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। दोनों टीमों को खेल के साथ-साथ मौसम की परिस्थितियों पर भी नजर रखनी होगी।

मनोरंजन बॉलीवुड का कोना

बिग बॉस 19 में लोगों की साइकोलॉजी समझना था सबसे बड़ा चैलेंज : फरहाना भट्ट का छलका दर्द!



रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' की प्रथम उपविजेता रहें अभिनेत्री फरहाना भट्ट ने अपने सफर को लेकर कई दिलचस्प खुलासे किए हैं। हाल ही में वह सोशल मीडिया पर्सनैलिटी अभिषेक मल्हन उर्फ फुकरा इंसान के साथ ब्रह्म धूपिया और अंशुद बेदी के शो 'डबल डेट' में पहुंचीं। यहां उन्होंने बताया कि बिग बॉस के घर में लोगों की मानसिकता को समझना और अचानक सामने आने वाली परिस्थितियों से निपटना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा।

फरहाना ने बताया कि बिग बॉस में आने से पहले उन्होंने न तो इस तरह का रियलिटी शो देखा था और न ही इसमें हिस्सा लेने का अनुभव था। करमीर से आने के कारण उनके लिए अलग-अलग लोगों की सोच, व्यवहार और घर के भीतर बनते-बिगड़ते समीकरणों को समझना आसान नहीं था। अभिनेत्री के मुताबिक, उन्होंने घर में प्रवेश करते समय कोई खास रणनीति नहीं बनाई थी। वह हर परिस्थिति का सामना उसी समय उपलब्ध समझ और अनुभव के आधार पर करती रहीं। उन्हें यह भी अंदाजा नहीं था कि कैमरे के सामने उनका व्यवहार किस तरह पेश किया जा रहा है और दर्शक उनके व्यक्तित्व को किस नजर से देख रहे हैं।

फरहाना ने अपने सफर के शुरुआती दौर का जिक्र करते हुए बताया कि पहले सप्ताह ही घर के सदस्यों ने उन्हें बाहर कर दिया था। हालांकि, उन्हें सीक्रेट रूम में रखा गया, जहां से वह घर के घटनाक्रम को अलग नजरिए से देखने की स्थिति में थीं। उन्होंने कहा कि इस अनुभव के बाद घर के सदस्यों के प्रति उनका गुस्सा और बढ़ गया था। चूंकि वह बाहर से किसी को नहीं जानती थीं, इसलिए घर के भीतर अपने तरीके से परिस्थितियों का सामना करना ही उन्हें उचित लगा।

दबाव तब बढ़ता है, जब उम्मीदें ज्यादा होती हैं, रणवीर बरार ने बताया कैसे करते हैं दबाव का सामना



शेफ के तौर पर हमें दबाव की आदत हो जाती है। हमारा माहौल प्रेशर कुकर जैसा होता है। द ट्रेटर्स में भी लोगों ने मुझसे कहा था कि इतने सारे लोग रो रहे हैं, लेकिन आपको कोई फर्क नहीं पड़ रहा। आप इतने शांत कैसे रह सकते हैं? रणवीर ने आगे कहा, एक बड़े किचन में करीब 600 कुक एक साथ काम कर रहे होते हैं। कोई इधर भाग रहा होता है, तो कोई उधर। ऐसे में अगर मैं भी बाकी लोगों की तरह भागने लगूँ, तो काम ठीक से नहीं हो जाएगा। शेफ के तौर पर काम करने से मैंने सीखा है कि

मुश्किल हालात में घबराने के बजाय शांत रहना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, दबाव से निपटने का एक हिस्सा अनुभव से आता है, जबकि दूसरा

हिस्सा इस बात को समझने से जुड़ा है कि हर चीज हमारे हाथ में नहीं होती। जब इंसान हर चीज को कंट्रोल करने की कोशिश छोड़ देता है, तो उसका दबाव भी कम होने लगता है। रणवीर ने अपने उस्ताद से मिली सीख का जिक्र करते हुए कहा, मेरे उस्ताद ने मुझे सिखाया था कि खाना बनाना मूल रूप से आग जलाने जैसा है, जिसमें इंसान सिर्फ मदद करता है। ऐसे में अगर कोई खुद को आग या खाने से ज्यादा बड़ा समझने लगे, तो वह बेवजह अपने ऊपर दबाव बढ़ा लेता है।

भारत-यूएस व्यापार समझौता लगभग पूरा, दोनों सरकारें लगातार संपर्क में : अमेरिकी अधिकारी



भी सर्वोच्च राजनीतिक स्तर पर जारी है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच चर्चा भी शामिल है। अधिकारी ने शुक्रवार को विदेश मंत्रालय की प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों से कहा, सबसे बड़े मुद्दे सुलझा लिए गए हैं। मेरा मतलब है कि यह लगभग पूरा हो चुका है। अब केवल एक या दो प्रतिशत काम बाकी है। अमेरिकी की ओर से यह बयान विदेश मंत्री मार्को रबियो की प्रस्तावित भारत यात्रा से पहले आया है। इस यात्रा के दौरान वह मुंबई और जामनगर में भारतीय सरकारी अधिकारियों और

प्रमुख कारोबारियों के साथ चर्चा करेंगे। अधिकारी ने कहा कि प्रस्तावित समझौते को लेकर दोनों सरकारें लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, हम हर सप्ताह सक्रिय रूप से बातचीत कर रहे हैं। अधिकारी ने यह भी बताया कि व्यापार समझौते पर उच्चस्तरीय चर्चाएं नियमित रूप से हो रही हैं। अधिकारी ने अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमिसन ग्रीर, भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और राष्ट्रपति ट्रंप एवं प्रधानमंत्री मोदी के बीच हुई बातचीत का जिक्र करते हुए कहा कि ये सभी घटनाक्रम वार्ता में आई तेजी को दर्शाते हैं।

गेहूं के दाम पांच फीसदी से ज्यादा बढ़े-पांच साल के उच्चतम स्तर पर सरकारी स्टॉक

नई दिल्ली। भारत सरकार की ओर से 24 अगस्त को गेहूं और इसके उत्पादों (जैसे आटा, मैदा और सूजी) के निर्यात पर चार साल से जारी प्रतिबंध हटाए जाने के बाद गेहूं की कीमतों में 150 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक की वृद्धि हो चुकी है। वैश्विक स्तर पर गेहूं की कीमतें तीन साल के उच्चतम स्तर के करीब चल रही हैं। 24 अगस्त को नई दिल्ली में गेहूं का दाम 2879 रुपये प्रति क्विंटल था, जो 14 अक्टूबर को बढ़कर 3030 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गई है। इस दौरान दिल्ली में गेहूं की कीमत में 151 रुपये प्रति क्विंटल या 5.24 फीसदी की वृद्धि हो चुकी है।

गेहूं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर खुदरा बाजार में आटा, मैदा, सूजी और बिस्कुट-ब्रेड जैसे बेकरी उत्पादों की कीमतों पर पड़ेगा। इससे आम परिवारों के मासिक बजट पर थोड़ा अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। राहत की बात यह है कि सरकार के पास पर्याप्त खाद्य भंडार मौजूद है। यदि आने वाले दिनों में कीमतें और बढ़ती हैं, तो सरकार बाजार में हस्तक्षेप कर सकती है और दाम नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त गेहूं खुले बाजार में बेच सकती है।

5 साल का उच्चतम स्टॉक: भारतीय खाद्य निगम के आंकड़ों से पता चलता है कि एक सितंबर तक गेहूं का स्टॉक 479 लाख टन के 5 साल के उच्चतम स्तर पर है। पिछले वर्ष समान अवधि में यह 332.97 लाख टन था।

पृथ्वी फिनमार्टके डायरेक्टर और कर्मांडोटी रिसर्च हेड मनोज कुमार जैन के मुताबिक, मौसम और अल-नीनो की आशंका के चलते इस बात की चर्चा है कि आगामी रबी सीजन में गेहूं की बुआई पिछड़ सकती है या उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसी डर से बाजार में स्टॉक को लेकर सतर्कता बढ़ गई है।

न्यूज विंडो

जीटीबी अस्पताल से दूधमुंहे बच्चे को ले उड़ी पड़ोसी बनकर आई महिला



दिल्ली। शाहदरा स्थित गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल एक शांतिर महिला ने मां के विश्वास का फायदा उठाकर उसके दूधमुंहे बच्चे का अपहरण कर लिया। आरोपी महिला ने खुद को पीड़िता का पड़ोसी बताकर पहले भरोसा जीता और फिर मौका पाकर बच्चे को लेकर चंपत हो गई। घटना के बाद से परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। पीड़िता सलोनी अपने परिवार के साथ हर्ष विहार के सबोली विस्तार में किराए के मकान पर रहती हैं, जबकि उनका मायका या ससुराल नंद नगरी के सी-3 ब्लॉक में है। गुरुवार की सुबह करीब 10:30 बजे सलोनी अपने मासूम बेटे (जिसे प्यार से लड्डू पुकारा जाता है) की तबियत दिखाने जीटीबी अस्पताल की एमसीएच (मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य) बिल्डिंग पहुंची थीं।

साढ़े सात किलो से ज्यादा अफीम, हेरोइन बरामद, दो तरकर गिरफ्तार

अमृतसर। भारत-पाकिस्तान सीमा पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में 7.468 किलो अफीम और हेरोइन बरामद की गई, जबकि दूसरे मामले में एक पिस्तौल और दो मैगजीन बरामद हुई हैं। जानकारी के मुताबिक थाना घरिंडा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी का नाम युगराज सिंह उर्फ काका निवासी गांव धनौआ कलां है। सूचना थी कि आरोपी नशे की खेप सप्लाई करने के लिए जा रहा है। पुलिस टीम की ओर से ट्रैप लगाया गया। इसी दौरान आरोपी को आते हुए रोका गया।

हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराया प्लेटों से भरा ट्रक, चालक की मौत

रेवाड़ी (हरियाणा) । दिल्ली-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-48 पर शनिवार अल सुबह 3 बजे दो ट्रकों की टक्कर में एक चालक की मौत हो गई। हादसा जंगल बेबलर के सामने हुआ। मृतक राउस्थान के अजमेर निवासी करीब 30 वर्षीय अर्जुन है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एल्यूमिनियम प्लेटों से भरे ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक केबिन में फंस गया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रक की बाड़ी काटकर चालक को बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। जांच अधिकारी सतेंद्र के अनुसार, एल्यूमिनियम प्लेटों से भरा ट्रक जयपुर से दिल्ली की ओर जा रहा था। धारूहेड़ा में जंगल बेबलर के सामने रोड़ी से भरा एक ट्रक सड़क किनारे खड़ा था।

राजस्थान में तापमान 6डिग्री गिरा, लखनऊ में बाद से 3 लाख लोग प्रभावित

उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी से कड़ाके की ठंड, मप्र में बूंदाबांदी

नई दिल्ली, एजेंसी

हिमाचल में बारिश और बर्फबारी के बाद तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है।उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने से प्रदेश में ठंड बढ़ गई है। वहीं, प्रदेश में अल सुबह का तापमान 9 डिग्री दर्ज किया गया, जबकि दो दिन पहले तक यह 17.7 एफ था।राजस्थान में बारिश ने सुबह-शाम सर्दी बढ़ा दी



है। मौसम बदलने से अधिकतम तापमान 6 डिग्री तक गिर गया है। सबसे कम तापमान अलवर में 2.7 डिग्री रहा, जबकि माउंट आबू में पारा 27.7 डिग्री रिकॉर्ड हुआ।यूपी में आंधी-बारिश का सिलसिला

जारी है। लखनऊ में बाढ़ से हालात बिगड़े हुए हैं। फैजुल्लागंज इलाके की 3 लाख से ज्यादा आबादी प्रभावित है। गोमती का जलस्तर घटने लगा है, लेकिन घरों में 21वें दिन भी पानी भरा है।

मेट्रो एंकर

पायलटों का प्रशिक्षण पहाड़ी उड़ानों तक, सुरक्षा पर भी होगी कड़ी नजर

नई दिल्ली। एजेंसी

विमान हादसों पर लगाम लगाने के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआइबी) ने पायलटों के प्रशिक्षण और पहाड़ी इलाकों में उड़ानों की सुरक्षा कड़ी करने की सिफारिश की है। ब्यूरो ने नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से गैर-अनुसूचित और सामान्य विमानन सेवाएं देने वाले संचालकों के पायलटों के प्रशिक्षण रिकार्ड की एकमुश्त जांच करने को कहा है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सिम्युलेटर प्रशिक्षण के हर सत्र में सभी जरूरी अभ्यास कराए जा रहे हैं। इन अभ्यासों में विमान के चढ़ने, सामान्य उड़ान, उतरने की तैयारी और लैंडिंग के दौरान वायुगतिकीय स्टाल से उबरने का प्रशिक्षण भी शामिल है।

हादसों पर लगाम लगाने के लिए विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो की सिफारिश

मुंबई हादसे के बाद प्रशिक्षण पर जोर

यह सिफारिश 14 सितंबर, 2023 को मुंबई हवाईअड्डे पर वीएसआर वेंचर्स के लियरजेट 45एक्सआर

विमान (वीटी-डीबीएल) के दुर्घटनाग्रस्त होने की अंतिम जांच रिपोर्ट में की गई है। इस हादसे में छह यात्रियों और चालक दल के दो सदस्यों को गंभीर चोटें आई थीं। विशाखापत्तनम से आ रहा विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था और टैक्सिवे की एक लाइट भी टूट गई थी। एएआइबी के मुताबिक, खराब मौसम के बावजूद अस्थिर एप्रोच जारी रखने और विमान को ठीक से नियंत्रित नहीं कर पाने के



कारण कम ऊंचाई पर वायुगतिकीय स्टाल हुआ। कम गति के संकेत मिलने के बाद भी पायलटों ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई नहीं की। विमान को दोबारा ऊपर ले जाकर सुरक्षित उड़ान की स्थिति में लाने यानी गो-अराउंड का फैसला लेने में भी देरी हुई। रिपोर्ट में खराब दृश्यता, पीछे से तेज हवा और समय पर उतरने के दबाव को भी हादसे से जुड़े कारकों में गिनाया गया है। ब्यूरो ने विमान संचालकों को प्रशिक्षण, आंतरिक सुरक्षा जांच और संचालन प्रक्रियाओं पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है।

चीन-पाकिस्तान की बढ़ेगी टेंशन

एएनआई, कारवार
भारतीय नौसेना ने कारवार स्थित नौसैनिक अड्डे पर बहुउद्देश्यीय स्वदेशी युद्धपोत आइएनएस 'समर्थक' को अपने बेड़े में शामिल कर लिया। भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल के तहत लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड द्वारा निर्मित 'समर्थक' भारतीय नौसेना में शामिल किए जा रहे दो बहुउद्देश्यीय पोतों में पहला है। स्वदेशी युद्धपोत समर्थक को भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में नौसेना में शामिल किया गया। भारतीय नौसेना ने एक्स पर लिखा, 'भारत की समुद्री शक्ति को मजबूत करते हुए! भारतीय नौसेना में शामिल किया गया बहुउद्देश्यीय पोत समर्थक भारत के उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन की मौजूदगी में कर्नाटक स्थित कारवार में सुबह 11:10 बजे (भारतीय समय) नौसेना में शामिल किया गया।

नौसेना में शामिल हुआ पहला स्वदेशी बहुउद्देशीय युद्धपोत 'समर्थक'



महत्वपूर्ण साबित होगी इसकी एकीकृत प्रणाली

इस युद्धपोत को नौसेना में शामिल किया जाना रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों का एक और अहम पड़ाव होगा। यह नौसेना की भविष्य की जरूरतों का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा और रणनीतिक रूप से अहम अभियानों के लिए एक आदर्श 'उपयोगिता' पोत साबित होगा। समर्थक पोत का ध्येय वाक्य- 'विजय ही हमारा एकमात्र लक्ष्य है।' मुख्य रूप से समुद्री निगरानी और गश्त के लिए बनाया गया आइएनएस समर्थक कम तीव्रता वाले समुद्री अभियानों (एलआइएमओ), लक्ष्य तैनाती और परीक्षण मंच, मानवरहित/स्वायत्त प्रणालियों के मातृपोत, मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर), सीमित क्षमता वाले अस्पताल पोत में बदलाव और समुद्री अभियानों के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसकी एकीकृत युद्ध प्रणाली में स्वदेशी सेंसर, हथियार व इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियां शामिल हैं। एडमिरल स्वामीनाथन ने कहा कि समर्थक किसी निजी पोत निर्माण यार्ड में बना पहला बड़ा युद्धपोत है।

मैगी खाने के बाद ग्रेटर नोएडा में परिवार के 5 लोगों की मौत

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्रेटर नोएडा में एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। मरने वालों में माता-पिता और उनके तीन बच्चे शामिल हैं। यह मामला ग्रेटर नोएडा के रबपुरा थाना क्षेत्र का है। एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत से इलाके में हड़कंप मच गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, परिवार की मौत किसी चीज को खाने की वजह से होने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि परिवार ने आखिरी बार चाय पी थी और मैगी खाई थी। इसके बाद



परिवार के पांचों लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। हालांकि, अभी तक मौत की असली वजह स्पष्ट नहीं हो पाई है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

फलोदी: 39 घंटे बाद बोरवेल से निकला भोमाराम, नहीं बच पाई जान

जोधपुर। एजेंसी

फलोदी जिले के लोहावट थाना क्षेत्र अंतर्गत नौसर गांव में बोरवेल में गिरे 9 वर्षीय मासूम भोमाराम को 39 घंटे चले मैराथन रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद शनिवार तड़के करीब 3:30 बजे बाहर निकाल लिया गया। हालांकि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन के तमाम अथक प्रयासों व ग्रामीणों की दुआओं के बावजूद मासूम को बचाया नहीं जा

सका। डॉक्टरों ने जांच के बाद बालक को मृत घोषित कर दिया। इस दर्दनाक खबर के सामने आते ही पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया, परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नौसर गांव निवासी पांचाराम भील के खेत में लगे बोरवेल की मोटर खराब होने से मुहाना खुला छोड़ दिया था। पास ही खेल रहा 9 वर्षीय भोमाराम अचानक इस खुले बोरवेल में जा गिरा।

जुलाना में पूर्व सैनिक के बेटे की गोली मारकर हत्या, सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

जुलाना (जींद)। एजेंसी

कस्बे में बीती रात अज्ञात बदमाशों ने एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोली लगने से गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए पीजीआई ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। युवक की हत्या से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। जानकारी के अनुसार, करेला गांव निवासी पूर्व सैनिक जगदीश अपने परिवार के साथ जुलाना में रहता है। उसका 22 वर्षीय बेटा कृष्ण उर्फ डैनी बीती रात जुलाना के पुराने बस स्टैंड पर अपने 6 दोस्तों के साथ पार्टी से लौट रहा था। इसी दौरान अज्ञात बदमाश कार में सवार होकर आते हैं और कृष्ण को अपनी गाड़ी के पास बुला लेते हैं। कार में बैठे एक बदमाश ने उसे गोली मार दी।

चंबा में अग्निकांड: मकान जलकर राख, 20 लाख रुपए का नुकसान

चंबा। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में शनिवार सुबह अग्निकांड हुआ है। ग्राम पंचायत करयूनी कोठी के सेरी गांव में देवी सिंह पुत्र फतु राम का मकान आग लगने से पूरी तरह जलकर राख हो गया। अग्निकांड में करीब 20 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

आग लगने की सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमों मौके पर पहुंचीं। ग्रामीणों ने भी राहत एवं बचाव कार्य में सहयोग किया। स्थानीय लोगों, पुलिस और अग्निशमन दल ने मिलकर आग पर काबू पाने के प्रयास किए। हालांकि, आग की चपेट में आने से मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आवासीय आयुक्त अमनदीप सिंह ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद



संबंधित विभागीय टीम को मौके पर खाना कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवार को हर्षभव सहायता उपलब्ध करवाने के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

किश्तवाड़ में लापता एसपीओ का जंगल में मिला शव: पास में सर्विस राइफल बरामद

जम्मू। एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में लापता हुए 55 वर्षीय विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) बशीर अहमद का शव शुक्रवार को उनके घर के पास जंगल में मिला। शव के पास उनकी सर्विस राइफल और एक मैगजीन भी बरामद हुई है। अधिकारियों ने बताया कि बशीर अहमद पेड़िल पुलिस चौकी में तैनात थे। वह गुरुवार सुबह अपने घर के लिए निकले थे, लेकिन वहां नहीं पहुंचे। इसके बाद परिजनों ने उनके लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शुक्रवार को त्रिगाम इलाके में उनके घर के पास स्थित जंगल में शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल से उनकी सर्विस राइफल और मैगजीन भी मिली है। पुलिस ने बताया कि साक्ष्य जुटाने के लिए फॉरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया है।

